शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 183 | गुवाहाटी | सोमवार, 3 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

छत्तीसगढ़ में 25 किग्रा का आईईडी बरामद पेज 2
अत्याधुनिक जैविक उर्वरक एवं जैविक कीटनाशक उत्पादन केंद्र का ... पेज 3
राजस्थान में बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर होगा आंदोलन : बेनीवाल पेज 5
मोटापे के खिलाफ लड़ाई में साइकिलिंग फायदेमंद : डॉ. मनसुन मांडविया पेज 7

असम पुलिस ने 170 बीघा अफीम की खेती नष्ट की

सीएम ने कहा- प्रिय स्थानीय पाब्लो एस्कोबार...उड़ता असम पार्टी को बिगाड़ दिया

गुवाहाटी/सिलचर: नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों की सराहना के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि उन्होंने पश्चिमी असम के ग्वालपाड़ा जिले में लगभग 170 बीघा (56 एकड़ से अधिक) अफीम की खेती को नष्ट कर दिया है। शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि प्रिय स्थानीय पाब्लो एस्कोबार, आपकी योजनाबद्ध उड़ता असम पार्टी को खराब करने के लिए क्षमा करें! क्योंकि @Goalpara_Police ने जनवरी में चार क्षेत्रों में 27.20 करोड़ रुपए मूल्य की 170 बीघा अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। मुख्यमंत्री ने एक वीडियो भी अपलोड किया जिसमें एक ट्रैक्टर पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में कथित अफीम के बागान को नष्ट कर रहा था। उन्होंने कहा कि अगली बार जब आप ड्रग्स के बारे में सोचें, तो सबसे पहले असम पुलिस के बारे में सोचें। अफीम की खेती का विनाश, नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने और राज्य को नशीली दवाओं की तस्करी के लिए माध्यम बनने से रोकने के असम सरकार के व्यापक मिशन का एक अभिन्न अंग है। पाब्लो एस्कोबार कोलंबिया का एक ड्रग माफिया था, जिसने देश की लोकतांत्रिक सरकार को अस्थिर कर दिया था और जिसका अवैध ड्रग व्यापार महाद्वीपों में फैल गया था। उधर ग्वालपाड़ा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नवनीत महंत ने बताया कि उन्हें दो अलग-अलग स्थानों पर अवैध अफीम की खेती मिली। महंत ने बताया कि पहला अभियान 23-24 जनवरी को

सियालमारी इलाके में चलाया गया और दूसरा अभियान 30-31 जनवरी को चितलमारी में चलाया गया। नदी के पास अन्य फसलों और सब्जियों के साथ अफीम की खेती भी पाई गई। उन्होंने रविवार को एचटी को बताया कि अभियान के दौरान एक ट्रैक्टर जब्त किया गया और एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। हम मामले की जांच कर रहे हैं और इस तरह की खेती में शामिल और लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पुलिस कार्रवाई का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें बॉलीवुड फिल्म उड़ता पंजाब का बैकग्राउंड स्कोर था। उन्होंने लिखा कि प्रिय स्थानीय पाब्लो एस्कोबार, आपकी योजनाबद्ध उड़ता असम पार्टी को खराब करने के लिए क्षमा करें! क्योंकि ग्वालपाड़ा पुलिस ने जनवरी में चार -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर के सीएम ने की डॉ. शर्मा की तारीफ

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को अपने असम के समकक्ष हिमंत विश्व शर्मा की सराहना की। उन्होंने कहा कि शर्मा ने राज्य में अफीम की अवैध खेती और मादक पदार्थों के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं। सिंह ने कहा कि दोनों राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं कि युवा मादक पदार्थों की छाया से बचें और उनका भविष्य सुरक्षित हो। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने इंफाल पश्चिम जिले में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं असम के मुख्यमंत्री की सराहना करता हूं। वह मादक पदार्थों के खिलाफ सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। हमें एक जुट होकर युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा। बाद में *एक्स* पर एक पोस्ट में मणिपुर के मुख्यमंत्री ने हिमंत विश्व शर्मा के अफीम की खेती के खिलाफ उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने लिखा कि मैं अफीम की खेती से पैदा हुई समस्याओं का समाधान करने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा उठाए गए निर्णायक कदमों की सराहना करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि हम एक साथ खड़े हैं और हम इस साझा लक्ष्य के लिए दृढ़ संकल्पित हैं कि पूर्वोत्तर के हर युवा को मादक पदार्थों के साए से बचाया जाएगा और उसे आग बढ़ने का अवसर मिलेगा। वहीं, असम के मुख्यमंत्री शर्मा ने रविवार को बताया कि जनवरी माह में असम के ग्वालपाड़ा जिले में -शेष पृष्ठ दो पर

विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा आज, तैयारियां पूरी

गुवाहाटी (हि.स.)। विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा सोमवार को बसंत पंचमी के अवसर पर की जाएगी। इस अवसर पर राज्यभर में सरस्वती पूजा की व्यापक तैयारियां देखी जा रही हैं। पूजा के लिए विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों को सुसज्जित किया गया है। श्रद्धालु मां सरस्वती के चरणों में धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित कर ज्ञान और बुद्धि की प्राप्ति की प्रार्थना करेंगे। वहीं, छात्र-छात्राएं पारंपरिक वेशभूषा में शिक्षण संस्थानों को रंगीन बना देंगे। हिंदू धर्म में बसंत पंचमी का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन को मां सरस्वती को समर्पित किया जाता है। मान्यता है कि पूरी विधि-विधान से पूजा करने से बुद्धि का विकास होता है और परिवार में सुख-समृद्धि आती है। इसी कारण घरों, कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में मां सरस्वती की पूजा की जाती है। इस बार बसंत पंचमी की तिथि को लेकर कुछ भ्रम की स्थिति रही, लेकिन अधिकतर शिक्षण संस्थानों में सोमवार को मां सरस्वती की पूजा का आयोजन किया जा रहा है। सरस्वती पूजा के दिन विशेष रूप से छात्राएं पारंपरिक वस्त्र पहनकर खुद को सुसज्जित करती हैं। मेखला-चादर, साड़ी या अन्य सुंदर परिधानों में वे आकर्षक नजर आती हैं। छोटे बच्चों से लेकर कॉलेज और विश्वविद्यालय की छात्राओं तक में सजने-संवरने की होड़ सी लग जाती है। इस अवसर पर उनके मनमोहक परिधानों से वातावरण रमणीय हो जाता है।

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बजट : सीएम ने विपक्ष पर बिहार विरोधी रुख का आरोप लगाया

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने केंद्रीय बजट 2025 का बचाव करते हुए मध्यम वर्ग और आर्थिक विकास के लिए इसके लाभों पर प्रकाश डाला, जबकि विपक्ष के रुख की आलोचना की। इस मामले पर बोलते हुए, शर्मा ने जोर देकर कहा कि सालाना 12 लाख रुपए तक की आय वाले व्यक्तियों को करों से छूट दी जाएगी, जिससे बाजार में बचत बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि जब कर बचत बाजार में आएगी, तो खुदरा विक्रेताओं को लाभ होगा, जिससे अंतत: अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने उन पर असम, बिहार -शेष पृष्ठ दो पर

महाकुंभ : बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर ऑपरेशन इलेवन से होगा क्राउड मैनेजमेंट

महाकुंभनगर (हि.स.)। महाकुंभ में बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर ऑपरेशन इलेवन चलाकर क्राउड मैनेजमेंट का स्पेशल प्लान तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश पर यह योजना बनाई गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिहाज से वन वे रूट तैयार किया गया है। इसके अलावा पांटून पुलों पर मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न आने पाए, इसका भी विशेष इंतजाम किया गया है। सबसे खास बात ये है कि त्रिवेणी के घाटों पर अत्यधिक दबाव रोकने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

भगदड़ के बाद होटल बुकिंग में भारी कमी, 50 प्रतिशत कमरे खाली पड़े

नई दिल्ली। प्रयागराज में 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के स्नान पर हुई भगदड़ के बाद होटल बुकिंग में भारी गिरावट आई है। इस घटना के बाद कई श्रद्धालु अपने होटलों तक नहीं पहुंच सके, जिसके कारण उनकी बुकिंग रद्द कर दी गई। हालांकि, होटल -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति पर टिप्पणी बिहार में सोनिया गांधी के खिलाफ मामला दर्ज

पटना। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को *पुअर लेडी* कहने वाले बयान पर उनके खिलाफ बिहार के मुजफ्फरपुर में मुकदमा दर्ज किया गया है। सुधीर ओझा नाम के एक वकील ने शनिवार को सीजीएम कोर्ट में यह शिकायत दी। कोर्ट ने इसे स्वीकार कर लिया। मामले की सुनवाई 10 फरवरी को होगी। याचिकाकर्ता ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा को भी सह-आरोपी बताया है और उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की मांग की। याचिकाकर्ता सुधीर ने बताया कि सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपमानित करने की कोशिश की -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

संयम विवेक देता है, ध्यान एकाग्रता प्रदान करता है। शांति, संतुष्टी और परोपकार मनुष्यता देती है।

- **ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

न्यूज गैलरी

त्रिपुरा में दो भारतीय दलालों समेत 14 बांग्लादेशी गिरफ्तार

अगरतला। भारत में अवैध घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच त्रिपुरा में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 26 जनवरी से अब तक -शेष पृष्ठ दो पर

आज लोकसभा में पेश होगी वक्फ संशोधन विधेयक पर गठित रिपोर्ट

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक की समीक्षा के लिए गठित संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट सोमवार यानि तीन फरवरी को लोकसभा में पेश की जाएगी। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी बुलेटिन में कहा गया है कि समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल और सदस्य संजय जायसवाल सोमवार को लोकसभा में रिपोर्ट पेश करेंगे। इससे पहले समिति ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को रिपोर्ट सौंप दी थी। समिति ने बुधवार को बहुमत से रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था, जिसमें सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के सदस्यों द्वारा सुझाए गए संशोधन शामिल किये गए थे। जिसके बाद विपक्ष ने इस प्रक्रिया को वक्फ बोर्डों को नष्ट करने -शेष पृष्ठ दो पर

सुडान में हमला, 54 लोग मरे, 158 घायल

काहिरा। सूडान की सेना के खिलाफ लड़ने वाले एक अर्धसैनिक समूह ने ओमडुरमैन शहर में एक बाजार में हमला किया जिसमें 54 लोग मारे गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शनिवार को सबरीन मार्केट में रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में कम से कम 158 अन्य लोग घायल हो गए। आरएसएफ की ओर से इस संबंध में तत्काल कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है। संस्कृति मंत्री एवं सरकार के प्रवक्ता खालिद अल-अलीसिर ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि हताहत हुए -शेष पृष्ठ दो पर

ग्रेसी, क्रिस्टीना और चयनिका ने मेगा मिस नॉर्थ ईस्ट में रचा इतिहास

शिलांग। मेघालय की उभरती हुई सौंदर्य प्रतियोगिता की स्टार ग्रेसी नंदी ने 21वीं मेगा मिस नॉर्थ ईस्ट में मणिपुर की फीरोइजम क्रिस्टीना देवी और असम के कार्बी आंगलोंग की चयनिका हांडिक के साथ ऐतिहासिक ट्रिपल-क्राउन जीत हासिल करके फिर से यह कारनामा कर दिखाया है। तीन विजेताओं को ताज पहनाने का अभूतपूर्व निर्णय पूर्वोत्तर भारत की सबसे प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता में परंपरा से हटकर एक साहसिक कदम है। नंदी के लिए, आईटीए कल्चरल कॉम्प्लेक्स में जीत उनकी भावनात्मक मिस शिलांग 2024 जीत पर आधारित है। मिस शिलांग का खिताब और 1 लाख रुपए का -शेष पृष्ठ दो पर

मंत्री के बयान पर बवाल, कहा-

केंद्र से अधिक धनराशि चाहिए तो खुद को पिछड़ा घोषित करें दक्षिणी राज्य

नई दिल्ली। लोकसभा में बजट पेश किए जाने के तुरंत बाद, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि यह राज्य के लिए निराशाजनक बजट है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने वायनाड के पुनर्निर्माण के लिए धन के उनके अनुरोध को नजरअंदाज कर दिया है। बजट में केरल के विझिनजाम बंदरगाह को भी नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि हमने वायनाड भूस्खलन के लिए विशेष पैकेज के अलावा 24,000 करोड़ रुपए के विशेष पैकेज का अनुरोध किया था। विझिनजाम बंदरगाह के राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए, हमने इसके लिए भी समर्थन का अनुरोध किया था। लेकिन इनमें -शेष पृष्ठ दो पर

नए टैक्स स्ट्रक्चर से होगी एक लाख करोड़ की बचत : रिपोर्ट

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को संसद में केंद्रीय बजट पेश किया। इस बजट में कई बड़े एलान किए गए। बजट में सबसे ज्यादा राहत मध्यम वर्ग के परिवारों को देने की कोशिश की गई है। इस बजट में टैक्स रिजीम में भी बदलाव किया गया है। इस बजट के बाद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट से पता चलता है कि केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित नए कर ढांचे से लगभग 5.65 करोड़ करदाताओं को लाभ मिलने की उम्मीद है, जो 4 लाख रुपए और उससे अधिक की आय स्लैब में आते हैं। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार इन करदाताओं को सामूहिक रूप से लगभग 1 लाख करोड़ रुपए की कर बचत होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि 8 लाख रुपए से 12 लाख रुपए सालाना कमाने वाले व्यक्तियों को इन बदलावों से सबसे ज्यादा फायदा होगा। एसबीआई की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि नए टैक्स ढांचे से लगभग 5.65 करोड़ करदाताओं (4 लाख रुपए से ऊपर के कर स्लैब) को लाभ होगा, जिससे कुल कर बचत लगभग 1 लाख करोड़ रुपए होगी। रिपोर्ट में यह भी अनुमान है कि इस कर बचत से खपत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। 0.7 की सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (एमपीसी) का उपयोग करते हुए, रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि अतिरिक्त डिस्पोजेबल -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने बनाया ईगल ग्रुप चुनावी गड़बड़ियों की होगी जांच

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के बीच में कांग्रेस ने ईगल ग्रुप बनाई है। कांग्रेस ने 8 नेताओं और विशेषज्ञों के इस ग्रुप में अजय माकन, दिग्विजय सिंह, अभिषेक सिंघवी, पवन खेड़ा समेत कई चेहरों को जगह दी है। पार्टी का यह ईगल ग्रुप महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में चुनावी गड़बड़ियों पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा और उसे पार्टी हाईकमान को सौंपेगा। पार्टी की ओर से जारी लेटर में कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने भारत के चुनाव आयोग द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के संचालन की निगरानी के लिए तत्काल प्रभाव से नेताओं और विशेषज्ञों के एक अधिकार प्राप्त कार्य समूह (ईगल) का गठन किया है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

SITUATION VACANT

Hiring Civil Engineer, Marketing Executive 10 nos for Guwahati & Hojai District.
Contact : 80112-41415, 99578-96885
assureconsultancy0707@gmail.com

NAME CORRECTION

I Jomir Uddin Ahmed S/O Lokman Ali, Vill. : No 2 Jogipara Pathar PO - Jogipara pathar P.S - Boko, Dist - Kamrup (Assam). Before the Notary Public Kamrup at Amingaon dt. 21.01.2025. That my actual and correct name is Jomir Uddin Ahmed, But in my all educational documents of HSLC & B.A my name has been wrongly recorded as Md. Jomiruddin Ahmed instead of Jomir Uddin Ahmed.

छत्तीसगढ़ में 25 किग्रा का आईईडी बरामद

बीजापुर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नक्सल प्रभावित उसूर-आवापल्ली मार्ग पर उसूर से 3 किमी की दूरी पर धान मंडी के पास नक्सलियों द्वारा सड़क के बीचों-बीच प्लास्टिक कन्टेनर में लगाए गए 25 किग्रा. वजनी आईईडी बरामद किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 196 केरिपु के बीडीएस टीम के द्वारा 25 किग्रा. वजनी आईईडी को जेसीबी की मदद से बाहर निकालकर, सुरक्षित तरीके से मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया गया। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने आईईडी बरामद होने की पुष्टि करते हुए बताया कि रविवार को उसूर-आवापल्ली मुख्य मार्ग पर उसूर से 3 किलोमीटर की दूरी पर धान मंडी के पास सड़क पर माओवादियों द्वारा लगाए गए 25 किलो के आईईडी को बीडीएस टीम ने खोजकर नष्ट कर दिया। नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों के वाहनों को क्षति पहुचाने की नीयत से आम जनता की जान की परवाह किए बगैर कमांड स्वीच सिस्टम से मुख्यमार्ग पर प्लास्टिक कन्टेनर में 25 किलो वजनी आईईडी लगाया गया था। इस प्रकार मुख्यमार्ग के बीचों-बीच आईईडी लगाना, लगातार मुठभेड़ों में मारे जा रहे नक्सली कैडरों के कारण कमजोर पड़ चुके नक्सली संगठन की बौखलाहट को दर्शाता है।

महाकुंभ : मनमाना किराया वसूल रहे टोटो चालकों के खिलाफ एक्शन

वाराणसी (हिंस)। प्रयागराज महाकुंभ से काशी आ रहे श्रद्धालुओं से ऑटो व टोटो (ई रिक्शा) चालक लगातार मनमाना किराया वसूल रहे हैं। श्रद्धालुओं को शहर के भोगौलिक दूरी का अंदाजा न होने के कारण एक से दो किमी की दूरी का भी निर्धारित किराया से कई गुना अधिक ले रहे हैं। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ को अवसर के रूप में ले रहे चालक, गंगा में नाव चलाने वाले नाविकों की मनमानी जारी है। वाहन पार्किंग के नाम पर भी वसूली हो रही है। टोटो चालकों की मनमानी के खिलाफ अब परिवहन विभाग एक्शन मोड में है। विभागीय दल ने रविवार को श्रद्धालुओं से किराया अधिक वसूलने वाले 20 ऑटो व टोटो वालों पर कार्रवाई की। इसी प्रकार जल पुलिस ने भी यात्रियों से ज्यादा किराया लेने पर एक नाव को सीज कर दिया। अफसरों के अनुसार ई-रिक्शा द्वारा निर्धारित किराए से अधिक लिए जाने की शिकायत पर विभाग एवं पुलिस विभाग के सहयोग से एक संयुक्त अभियान चल रहा है।

फरीदाबाद : दर्जनों बायर्स ने कैबिनेट मंत्री कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद में सेक्टर 16 स्थित कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल के ऑफिस के बाहर डब्ल्यूटीसी और भूटानी बिल्डर्स के खिलाफ दर्जनों बायर्स ने हाथों में बैनर लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने विपुल गोयल से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई है। गोयल ने जल्द ही उनको उनका पैसा दिलाने का आश्वासन दिया है। पीड़ित राहुल गर्ग ने रविवार को बताया कि 3 साल पहले फरीदाबाद में 2 हजार 500 बायर्स ने सेक्टर-111 और 114 में प्लाट खरीदने के पैसा इन्वेस्ट किया था। डब्ल्यूटीसी कम्पनी ने लोकल प्रापर्टी डीलरों के मार्फत 110 और 160 गज के प्लाट बेचे थे। कंपनी ने बायर्स के साथ एग्रीमेंट किया था कि 2 साल में लाइसेंस लेकर साइट को डेवलपमेंट कर प्लाट पर कब्जा दे दिया जाएगा। लेकिन आज तक उनको कोई प्लाट नहीं मिला है और ना ही उनका पैसा उनको वापस मिल रहा है। पिछले 7 महीने से वह कई बार विरोध-प्रदर्शन कर चुके हैं। पीडितों ने बताया कि बुकिंग के समय बिल्डर के द्वारा उनको उनकी इन्वेस्ट की गई रकम के साथ ब्याज सहित सिक्योरिटी चेक दिए गए थे। जिनका समय 2 साल रखा गया था, लेकिन जब उनको लगा की उनके साथ धोखा हो रहा है। तो उन्होंने चेक को बैंक में लगाया तो वो बाउंस हो गए। तब से लेकर अब तक वो अधिकारियों और बिल्डर के चक्कर लगा रहे हैं। बायर्स ने बताया कि 2 हजार 500 बायर्स के द्वारा प्रति बायर्स 20 लाख के करीब पैसा इन्वेस्ट किया गया है। फरीदाबाद में लगभग 500 करोड़ रूपए डब्ल्यूटीसी बिल्डर के पास फंसे हुए है। इसको लेकर बिल्डर के पर मामले भी दर्ज हो चुके है और कोर्ट में केस चल रहा है। बायर्स ने बताया कि डब्ल्यूटीसी कंपनी ने भूटानी बिल्डर्स को अपना प्रोजेक्ट दे दिया। जिसके बाद जो प्लाट उन्होंने लगभग 25 हजार रूपए गज के हिसाब से बुक किए थे, अब भूटानी बिल्डर्स उन्हीं प्लाट को 60 हजार रूपए गज देने की बात कह रहा है। भूटानी बिल्डर्स के द्वारा बायर्स को बोला गया है कि अपने फंसे हुए पैसे की जमीन लेनी है, तो उनके द्वारा तय किए गए रेट से पैसा देना होगा। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने बायर्स को 15 दिन का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि वो डब्ल्यूटीसी कपंनी के अधिकारियों के साथ बातचीत करके मामले को सुलझायेंगे। उन्होंने बायर्स को भरोसा दिलाया कि किसी की मेहनत का पैसा डूबने नहीं दिया जाएगा।

इंफाल-जिरीबाम हाईवे पर वाहन चालकों से धन उगाही करने वाले तीन गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। सुरक्षा बलों ने इंफाल-जिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग पर परिवहन वाहनों के चालकों से धन संग्रह के लिए चालान जारी करने में शामिल अराम्बाई टेंगोल के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान थांगजम जॉर्ज सिंह उर्फ सूरज (28), अबुजम नरेंद्र सिंह उर्फ मितलांग (21) और वाहेंगबम अमरजीत सिंह उर्फ बॉय (35) के रूप में हुई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि आरोपियों की गिरफ्तारी इंफाल वेस्ट जिले के पटसोई थाना क्षेत्र के तहत केथेलमंबी से हुई। इनके पास से एक थर्मल प्रिंटर, नौ पेपर रोल, दो हैंडहेल्ड वायरलेस सेट, एक अतिरिक्त एंटीना, दो आधार कार्ड, दो नोटबुक, दो वॉलेट, 1, 600 रुपए नकद और एक चारपहिया वाहन बरामद किया गया।

भीम आर्मी हर हाल में करेगी शांतिपूर्ण प्रदर्शन : संतलाल अंबेडकर

हिसार (हिंस)। भीम आर्मी के नेताओं संतलाल अंबेडकर व अमित जाटव ने आरोप लगाया है कि पुलिस प्रशासन द्वारा प्रदर्शन के संबंध में डराने-धमकाने के उद्देश्य से उन्हें नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस तीन फरवरी को हिसार पुलिस के खिलाफ प्रस्तावित शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन को रोकने के लिए दिया गया है। भीम आर्मी नेता संतलाल अंबेडकर एवं अमित जाटव ने कहा कि प्रदर्शन के माध्यम से अमित जाटव को बस स्टेंड चौकी में थर्ड डिग्री टॉर्चर करने वाले चार आरोपित पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर निलंबित करने, जांच अधिकारी महेंद्र द्वारा मनमर्जी करते हुए 42 दिन बाद मामूली धाराओं में केस दर्ज करने तथा जांच अधिकारी की भूमिका जांचने के मामले में न्याय की मांग की जाएगी। एसपी हिसार की तरफ से पुलिस नोटिस मिलने के बाद प्रतिक्रिया देते हुए भीम आर्मी के दोनों नेताओं संतलाल अंबेडकर और अमित जाटव ने कहा कि हमने पुलिस नोटिस का लिखित जवाब दे दिया है। हमारा आंदोलन पूरी तरह से शांतिपूर्ण और संवैधानिक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण ढंग से एकत्रित होने का अधिकार है। प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन को रोकने के लिए डराने-धमकाने की कार्रवाई पूरी तरह से असंवैधानिक है और लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन करती है। भीम आर्मी के नेता संतलाल अंबेडकर ने कहा कि हम किसी भी प्रकार की हिंसा या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के खिलाफ हैं। हमारा यह आंदोलन पुलिसिया अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का शांतिपूर्ण प्रयास है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि वह हमारी लोकतांत्रिक गतिविधियों में बाधा डालने के बजाय न्याय प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखने में सहयोग करें। भीम आर्मी का यह आंदोलन जारी रहेगा और यदि प्रशासन ने दमनकारी कदम उठाए तो हम कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से उसका विरोध करेंगे।

गुवाहाटी में गांजा और चोरी का मोबाइल फोन बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी में पुलिस ने अभियान चलाकर दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों से मिली जानकारी शनिवार की रात गुवाहाटी सिटी के बासिष्ठ थाना की ईजीपीडी टीम ने छापेमारी कर हाफिजा खातून (35) को गिरफ्तार किया। उसके ठिकाने से 685 ग्राम गांजा और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दूसरे अभियान में, पान बाजार थाना की सीजीडीपी टीम ने देव ताये (24) को गिरफ्तार किया।

पृष्ठ एक का शेष

असम पुलिस ने 170...

इलाकों में 27.20 करोड़ की 170 बीघा अफीम की खेती को नष्ट कर दिया था। इसलिए अगली बार जब आप ड्रग्स के बारे में सोचें, तो सबसे पहले असम पुलिस के बारे में सोचें। एक अधिकारी ने बताया कि पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में असम पुलिस ने कुछ साल पहले राज्य भर में मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान शुरू किया था।

मणिपुर के सीएम ...

170 बीघा (56 एकड़ से अधिक) अफीम की खेती नष्ट की गई, जिसकी कीमत 27 करोड़ रुपए से अधिक थी। शर्मा ने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि प्रिय स्थानीय पाब्लो एस्कोबार्स (ड्रग माफिया), मुझे आपकी योजना को नाकाम करने के लिए माफ करें। ग्वालपाड़ा पुलिस ने जनवरी में 170 बीघा अफीम की खेती नष्ट की, जिसकी कीमत 27.20 करोड़ रुपए थी। उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें एक ट्रैक्टर को पुलिसकर्मियों को अफीम की खेती को नष्ट करते हुए दिखाया गया। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने यह भी कहा कि राज्य में कई नदियों, झीलों और जल स्रोतों को उनके पारिस्थितिकी तंत्र और आसपास के पर्यावरण को बचाने के लिए फिर से जीवित किया जा रहा है। विश्व आर्द्रभूमि दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इन जल स्रोतों का सौंदर्यीकरण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए फिर से विकसित किया जा रहा है। बीरेन सिंह ने कहा, हम आर्द्रभूमियों को संरक्षित और पुनर्जीवित कर रहे हैं। हमारी जीवनधारा प्रकृति पर निर्भर है। हम इसका ख्याल रख रहे हैं। इसके लिए हमने कई योजनाएं बनाई हैं और इन योजनाओं के लिए वित्तीय मदद के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया है। इसके अलावा कुछ योजनाएं राज्य सरकार ने शुरू की हैं।

बजट : सीएम ने विपक्ष...

और दिल्ली जैसे राज्यों को कमतर आंकने का आरोप लगाया। शर्मा ने कहा कि बिहार विकास के मामले में लगातार सबसे निचले पायदान पर रहा है। राज्य की आर्थिक क्षमता में काफी गिरावट आई है, फिर भी यहां के लोग देश की प्रगति में सबसे अधिक योगदान देते हैं। अगर बिहार को इस बजट से फायदा हुआ है, तो कांग्रेस को इसका स्वागत करना चाहिए। इसके बजाय, उनका रुख बिहार विरोधी लगता है। उनका यह बयान बजट पर बढ़ती राजनीतिक बहस के बीच आया है, जिसमें विपक्ष ने आरोप लगाया है कि यह बजट चुनिंदा राज्यों को लाभ पहुंचाता है, जबकि व्यापक आर्थिक चिंताओं की उपेक्षा करता है।

महाकुंभ : बसंत पंचमी ...

अतिरिक्त पुलिस बल लगाए जा रहे हैं, जहां वरिष्ठ अधिकारी भी टीम के साथ तैनात रहेंगे। बैरिकेडिंग की संख्या भी बढ़ा दी गई है। बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर वन वे रूट पर सख्त अमल किया जाएगा। महाकुंभ में बसंत पंचमी के दिन वन वे ट्रैफिक व्यवस्था को सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया गया है। श्रद्धालुओं के सुगम यातायात और अत्यधिक संख्या होने पर ट्रैफिक नियंत्रित करने के लिए प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन किया जाएगा। अधिकतर पांटून पुलों पर आवागमन जारी रहेगा। साथ ही स्नान करने वाले घाटों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल और बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। न्यू यमुना ब्रिज पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। नैनी से संगम की ओर ट्रैफिक नियंत्रित करने के लिए एक अतिरिक्त राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में एक कंपनी पीएसी तैनात की गई है। इसके अलावा दो मोटर साइकिल दस्ते लगातार गश्त करेंगे। यही नहीं, ब्रिज की साइड रेलिंग को सुदृढ़ किया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। झूंसी से संगम की ओर ट्रैफिक नियंत्रित करने के लिए एक कंपनी पीएसी और एक राजपत्रित अधिकारी की विशेष रूप से तैनाती की गई है। साथ ही दो मोटर साइकिल दस्ते सक्रिय गश्त में रहेंगे। एक राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में सीएपीएफ की तैनाती की गई है। झूंसी की ओर से टीकरमाफी मोड़ आने वाली ट्रैफिक को कटका तिराहा, जिराफ चौराहा, छतनाग मोड़ और समुद्रकूप मोड़ से डायवर्ट किया जाएगा। श्रद्धालुओं के सुगम यातायात के लिए सड़क की डिवाइडर को समतल किया गया है। फाफामऊ पुल तथा पांटून पुलों पर विशेष इंतजाम किया गया है। दो मोटरसाइकिल दस्तों से पुलिसकर्मी लगातार भ्रमण करेंगे और ट्रैफिक नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की एंट्री और एग्जिट के लिए पीएसी को तैनात किया गया है। झूंसी रेलवे स्टेशन पर विशेष व्यवस्था की गई है। यहां एक राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में पीएसी को लगाया गया है। एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर मजबूत बैरिकेडिंग की गई है। साथ ही रेलवे अधिकारियों से समन्वय कर ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी बढ़ाई जा रही है। अस्थायी बस स्टेशन सरस्वती द्वार से गोरखपुर और वाराणसी के लिए बस संचालन के इंतजाम किए गए हैं। रात में पर्याप्त संख्या में रिजर्व बसें झूंसी में पार्क की जाएंगी। अन्दावा से सरस्वती द्वार और सहसों के लिए शटल बसें संचालित होंगी। जिससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई भी असुविधा न होने पाए। तीन पुलिस उपाधीक्षकों के नेतृत्व में पुलिस और दो कंपनी पीएसी तैनात की गई है। आईईआरटी फ्लाईओवर की तरफ से प्रयाग जंक्शन की ओर जाने वाली ट्रैफिक को रोकने के लिए युधिष्ठिर चौराहे पर मजबूत बैरिकेडिंग और पर्याप्त पुलिस बल का इंतजाम किया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में साइनेज की व्यवस्था की गई है। मेडिकल कॉलेज चौराहे और बालसन चौराहे पर डायवर्जन के लिए राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में पर्याप्त पुलिस बल और पीएसी की तैनाती की गई है। बालसन से बख्शी बांध होते हुए नागवासुकी क्षेत्र की ओर डायवर्जन रहेगा। स्टैनली रोड चौराहे से श्रद्धालुओं को लाजपत राय रोड से मंडलायुक्त कार्यालय तिराहे से भारत स्काउट होते हुए मजार चौराहे से दाहिने मोड़कर आईईआरटी पार्किंग के बगल से मेला क्षेत्र ले जाया जाएगा। अन्दावा और सहसो चौराहे पर अतिरिक्त पुलिस और यातायात पुलिस की तैनाती की गई है। यहां नौ मोटर साइकिल दस्ते लगातार निगरानी करेंगे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्रेन की व्यवस्था की जा रही है। तृतीय अमृत स्नान पर्व के लिए दो कंपनी आरएएफ और तीन कंपनी पीएसी का अतिरिक्त प्रबंध किया गया है। संवेदनशील स्थानों पर राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी रहेगी। 56 क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) की तैनाती की गई है। प्रभावी पेट्रोलिंग के लिए 15 मोटर साइकिल दस्ते तैनात किए गए हैं। प्रमुख चौराहों और डायवर्जन प्वाइंट्स के बैरियर पर सीएपीएफ और पीएसी का इंतजाम किया गया है।

भगदड़ के बाद ...

व्यवसायियों को उम्मीद है कि बसंत पंचमी स्नान के बाद बुकिंग में फिर से बढ़ोतरी होगी। होटल व्यवसायी अब यात्रियों से कह रहे हैं कि स्थिति अब सामान्य हो चुकी है और वे बिना किसी डर के महाकुंभ में आ सकते हैं। कई होटल मालिक संभावित ग्राहकों से संपर्क कर उन्हें आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। प्रयागराज होटल एंड रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार हरजीत सिंह ने बताया कि 29 जनवरी की घटना के बाद होटल बुकिंग में 40-50 प्रतिशत की गिरावट आई है। 28 से 30 जनवरी के बीच कई तीर्थयात्रियों को शहर की सीमा पर ही रोक लिया गया था, जिससे वे अपने होटलों तक नहीं पहुंच सके। भगदड़ की खबर फैलने के बाद श्रद्धालुओं ने अपनी बुकिंग रद्द कर दी थी। होटल मालिक अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि हमने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे बसंत पंचमी स्नान के बाद आएं, क्योंकि तब तक शहर में वाहनों की आवाजाही सामान्य हो जाएगी। होटल मालिकों का कहना है कि सोशल मीडिया और यूट्यूब पर अफवाहों ने स्थिति को और भी बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया, जिससे यात्रियों में डर फैल गया। लेकिन जब होटल व्यवसायियों ने स्थिति स्पष्ट की, तो कई श्रद्धालुओं ने अपनी बुकिंग रद्द करने का फैसला वापस ले लिया। होटल व्यवसायियों ने प्रशासन से बेहतर व्यवस्था की मांग की है ताकि यात्रियों को कम से कम अपने होटलों तक पहुंचने में कोई समस्या न हो। सरदार हरजीत सिंह ने कहा कि महिलाओं, बच्चों और भारी सामान के साथ यात्रियों को 15-20 किलोमीटर पैदल चलने के लिए कहना अव्यवहारिक था।

आज लोकसभा में ...

का प्रयास करार दिया। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति ने मसौदा कानून पर रिपोर्ट को 15-11 बहुमत से अपनाया गया है। बता दें कि, विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट पर असहमति जताई थी। भाजपा सदस्यों ने जोर देकर कहा कि पिछले साल अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में आधुनिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाने की व्यवस्था करता है। जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि हमने रिपोर्ट और संशोधित विधेयक को स्वीकार कर लिया है। पहली बार हमने एक प्रावधान जोड़ा है कि वक्फ से मिलने वाले लाभ हाशिए पर मौजूद लोगों, गरीबों, महिलाओं और अनाथों तक पहुंचें। कल हम इस रिपोर्ट को स्पीकर को प्रस्तुत करेंगे। हमारे पास 44 धाराएं थीं, जिनमें से 14 में संशोधन के प्रस्ताव दिए गए थे। हमने बहुमत से मतदान कराया और इन संशोधनों को अपनाया गया। दूसरी ओर, विपक्ष ने इसे मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक अधिकारों पर हमला और वक्फ बोर्डों के कामकाज में हस्तक्षेप करार दिया है। गौरतलब है कि वक्फ अधिनियम 1995 को वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के लिए लागू किया गया था, लेकिन लंबे समय से इसमें कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण जैसे मुद्दों को लेकर आलोचना होती रही है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 इन चुनौतियों को दूर करने के लिए डिजिटलाइजेशन, बेहतर ऑडिट, पारदर्शिता में सुधार और अवैध रूप से कब्जाई गई संपत्तियों को पुन: प्राप्त करने के कानूनी तंत्र को मजबूत करने जैसे सुधारों प्रस्तावित करता है। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू हुआ है और यह 4 अप्रैल तक चलेगा।

सुडान में हमला...

लोगों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमले से निजी और सार्वजनिक संपत्तियों को व्यापक रूप से नुकसान पहुंचा है। सूडान के *डॉक्टर्स सिंडिकेट* ने आरएसएफ के हमले की निंदा की। इसने कहा कि एक गोला अल-नव अस्पताल से कुछ मीटर की दूरी पर गिरा, जहां बाजार में सबसे ज्यादा लोग हताहत हुए। इसने कहा कि अस्पताल में लाए गए ज्यादातर शव महिलाओं और बच्चों के है। साथ ही इसने कहा कि अस्पताल में चिकित्सा दलों, विशेषकर सर्जन और नर्सों की भारी कमी है। सूडान में संघर्ष अप्रैल, 2023 में शुरू हुआ था जब सेना और आरएसएफ के सदस्यों के बीच तनाव राजधानी खार्तूम और विशाल पूर्वोत्तर अफ्रीकी देश के अन्य शहरों में लड़ाई में बदल गया था। पिछले सप्ताह, दारफुर के पश्चिमी क्षेत्र शहर एल फशेर के एकमात्र अस्पताल पर आरएसएफ के हमले में लगभग 70 लोग मारे गए थे। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने कहा कि वह कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों की जांच कर रहा है और बाइडन प्रशासन ने आरएसएफ और उसके समर्थकों पर युद्ध में नरसंहार करने का आरोप लगाया है।

ग्रेसी, क्रिस्टीना और ...

पुरस्कार जीतने के बाद उन्होंने कहा कि मैंने अपने माता-पिता को गर्व और आंसू बहाते हुए देखा- यह एक अवास्तविक क्षण था। अपनी बड़ी बहन के नक्शेकदम पर चलते हुए, नंदी का दर्शक से ताज-धारक तक का सफर पांच साल से भी कम समय में एक उल्लेखनीय यात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। सेंट एडमंड कॉलेज की छात्रा ने लगातार कड़ी प्रतिस्पर्धा को अपने प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने का श्रेय दिया है। तीनों विजेता समान रूप से समान जिम्मेदारियों और विशेषाधिकारों को साझा करते हुए पूर्वोत्तर भारत की सुंदरता और प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनके पुरस्कार पैकेज की कीमत 50,000 रुपए से अधिक है, जिसमें यात्रा के अवसर और मेगा एंटरटेनमेंट द्वारा पेशेवर प्रतिनिधित्व शामिल है। फैशन उद्यमी अभिजीत सिंह, जिन्होंने इस आयोजन की संकल्पना की ने वैश्विक मंचों पर कदम रखने के रूप में इसकी भूमिका पर जोर दिया। पर्यटन मंत्रालय द्वारा अतुल्य भारत के बैनर तले समर्थित इस प्रतियोगिता ने अपने *पूर्वोत्तर भारत के छिपे हुए स्वर्ग* अभियान के माध्यम से क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को उजागर किया। विजेताओं को लाइफ पर्पल से ब्रांड जुड़ाव के अवसर और जनसंपर्क मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिससे वे अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकेंगे।

राष्ट्रपति पर टिप्पणी ...

है। बजट सत्र के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सोनिया गांधी ने उन पर जो टिप्पणी की थी, वह बेहद आपत्तिजनक थी। ओझा ने कहा कि राष्ट्रपति जी महिला हैं और आदिवासी समुदाय से आती हैं, उनके खिलाफ यह टिप्पणी आपत्तिजनक है। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 10 फरवरी की तारीख तय की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के बाद सोनिया गांधी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पुअर लेडी वाज टायर्ड एट द एंड। वहीं, राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण को उबाऊ कहा था। सोनिया के इस बयान पर सियासी बवाल मच गया। भाजपा ने सोनिया के उस टिप्पणी की कड़ी निंदा की। पीएम मोदी ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा। राष्ट्रपति भवन ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी बताया। सोनिया गांधी की टिप्पणी को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार आज देश ने फिर देखा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों को उपलब्धियों के बारे में बताया, विकसित भारत के विजन के बारे में बताया। हिंदी उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहतरीन भाषण दिया। मगर, कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। उन्होंने राष्ट्रपति जी को पुअर थिंग कहा, गरीब कहा, चीज कहा, थकी हुई कहा। ये देश के आदिवासी भाई-बहनों का अपमान है।

केंद्र से अधिक धनराशि...

से किसी पर भी विचार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि केरल को शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों के लिए दंडित किया जा रहा है। कहा जाता है कि हमारे राज्य को और अधिक की आवश्यकता नहीं है क्योंकि हम पहले से ही कई क्षेत्रों में आगे हैं। लेकिन कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां केरल पिछड़ रहा है। लेकिन हमें इन क्षेत्रों को ऊपर उठाने के लिए केंद्र सरकार से कोई सहायता नहीं मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में केरल को बुरी तरह से दरकिनार किया गया है और यह हमें अस्वीकार्य है। केरल की आलोचना के बीच केंद्रीय मंत्री कुरियन ने कहा कि केंद्र उन राज्यों को वित्तीय पैकेज आवंटित करता है जो विकास सूचकांकों में पिछड़ गए हैं। वामपंथी सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आप घोषणा करते हैं कि केरल पिछड़ा हुआ है, कि उसके पास सड़कें, अच्छी शिक्षा आदि नहीं हैं। यदि आप कहते हैं कि शिक्षा, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण के मामले में केरल अन्य राज्यों से पीछे है, तो (वित्त) आयोग इसकी जांच करेगा और केंद्र सरकार को रिपोर्ट देगा। केंद्र सरकार रिपोर्ट के आधार पर निर्णय लेगी। वह अपने आप निर्णय नहीं लेती। केरल के कोट्टायम जिले से ताल्लुक रखने वाले जॉर्ज कुरियन की टिप्पणी पर वामपंथी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। सीपीएम के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने कहा कि केंद्र चाहता है कि केरल पिछड़ा रहे कि लेकिन ऐसा नहीं होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का *केरल विरोधी रुख* है और राज्य के उसके नेता भी इसी तरह का नजरिया रखते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का उद्देश्य केरल को गरीब और पिछड़ा बनाना है। उन्होंने राज्य पर अपनी पकड़ मजबूत करने के कई प्रयास किए। चूंकि ऐसे सभी प्रयास विफल हो गए हैं, इसलिए वे अब योग्य आवंटन से इनकार करके केरल को पीछे धकेलने की कोशिश कर रहे हैं।

नए टैक्स स्ट्रक्चर ...

आय से खपत में 3.3 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि होगी। इसके साथ ही व्यय में इस बढ़ोत्तरी के कारण आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इस वजह से अर्थव्यवस्था अधिक गतिशील होने की संभावना है। उच्च उपभोग स्तर विभिन्न क्षेत्रों में मांग को बढ़ाएगा, जिससे संभावित रूप से रोजगार सृजन और समग्र आर्थिक खुशहाली को बढ़ावा मिलेगा। शनिवार को संसद में पेश हुए बजट में टैक्स रिलीफ के अलावा बजट में आयकर रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया में भी एक महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब सरकार ने अपडेटेड आयकर रिटर्न (आईटीआर-यू) दाखिल करने की समय सीमा 24 महीने से बढ़ाकर 48 महीने कर दी है। इस बदलाव का उद्देश्य करदाताओं को स्वेच्छा से अपनी आय का विवरण अपडेट करने और किसी भी अतिरिक्त कर का भुगतान करने के लिए अधिक समय देना है।

कांग्रेस ने बनाया...

यह समिति सबसे पहले महाराष्ट्र मतदाता सूची में हेरफेर के मुद्दे को उठाएगी और जल्द से जल्द हाईकमान को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी। इसके अलावा ईगल अन्य राज्यों में पिछले चुनावों का भी विश्लेषण करेगा और आगामी चुनावों और देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के संचालन से संबंधित अन्य सभी मुद्दों पर सक्रिय रूप से निगरानी करेगा और रिपोर्ट तैयार कर हाईकमान को भेजा रहेगा। कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इसे लेकर चुनाव आयोग में शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। चुनाव आयोग ने जवाब भी दिया था। ग्रुप में इन 8 लोगों को मिली जगह- अजय माकन, दिग्विजय सिंह, अभिषेक सिंघवी, प्रवीण चक्रवर्ती, पवन खेड़ा, गुरदीप सिंह सप्पल, नितिन राऊत, चल्ला वामशी चंद रेड्डी। महाराष्ट्र में पिछली साल के अंत में विधानसभा चुनाव हुए थे। चुनाव में एक तरफ सत्ताधारी गठबंधन था जिसमें भाजपा, शिंदे गुट की शिवसेना, अजित पवार गुट की एनसीपी शामिल थी।

त्रिपुरा में दो ...

देश में घुसपैठ की कोशिश करते 14 बांग्लादेशियों को पकड़ा है। इस बात की जानकारी रविवार को बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। इस दौरान घुसपैठ में मदद करने वाले दो भारतीय दलाल भी पकड़े गए हैं। यही नहीं सीमा सुरक्षा बल ने भारी मात्रा में मादक पदार्थ, चीनी, मवेशी और तस्करी कर लाई गई अन्य चीजें भी जब्त की है। बताया जा रहा है कि जब्त की गई इन चीजों की अनुमानित कीमत कुल 2.5 करोड़ रुपए है। द्विपक्षीय सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए बीएसएफ ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ मजबूत समन्वय बनाए रखा है। बीएसएफ के अधिकारी के मुताबिक बीएसएफ त्रिपुरा फ्रंटियर ने सतर्कता बढ़ा दी है और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गश्त को मजबूत किया है। जिसके चलते 26 जनवरी 2025 से अब तक बीएसएफ के जवानों ने घुसपैठ और सीमा पार से तस्करी के कई प्रयासों को नाकाम किया है। सुरक्षा बलों के लिए ये एक बड़ी कामयाबी है। अधिकारी का कहना है कि विभिन्न अभियानों में 14 बांग्लादेशी नागरिकों और दो भारतीय दलालों को बीएसएफ ने पकड़ा है।

गुवाहाटी के नारंगी सैन्य स्टेशन में सात फरवरी को जॉब फेयर

गुवाहाटी (हिंस)। रक्षा मंत्रालय के निदेशालय सामान्य पुनर्वास (डीजीआर) द्वारा सात फरवरी को गुवाहाटी के नारंगी सैन्य स्टेशन स्थित ब्रह्मपुत्र हॉल में पूर्व सैनिकों के लिए जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा। इस मेले का उद्देश्य पूर्व सैनिकों (ईएसएम) को नौकरी प्रदाताओं से जोड़कर उन्हें दूसरा करियर अवसर प्रदान करना है। सभी पूर्व सैनिकों का पंजीकरण सुबह 7 बजे से 10 बजे तक स्थल पर किया जाएगा। पंजीकरण के लिए पूर्व सैनिकों को अपना पहचान पत्र, नवीनतम बायोडाटा या सीवी की पांच प्रतियां और एक फोटो लानी होगी। इस मेले में भाग लेने वाले पूर्व सैनिकों को विभिन्न कंपनियों में नौकरी के अवसर और सरल भर्ती प्रक्रिया का लाभ मिलेगा। कई कॉरपोरेट कंपनियां पूर्व सैनिकों के लिए साक्षात्कार और स्क्रीनिंग प्रक्रिया आयोजित करेंगी। इसके माध्यम से वरिष्ठ पर्यवेक्षक, मध्य/वरिष्ठ प्रबंधक, रणनीतिक योजनाकार और परियोजना निदेशक जैसे पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

अत्याधुनिक जैविक उर्वरक एवं जैविक कीटनाशक उत्पादन केंद्र का मंत्री बोरा ने किया उद्घाटन

विश्वनाथ (हिंस)। कृषि मंत्री अतुल बोरा ने रविवार को विश्वनाथ कृषि महाविद्यालय के 38वें स्थापना दिवस पर राज्य में दूसरे अत्याधुनिक जैविक उर्वरक और जैविक कीटनाशक उत्पादन केंद्र का उद्घाटन किया। एनईसी फंड के तहत 15 करोड़ रुपए की लागत से लागत से तैयार होनेवाले इस परियोजना का आज मंत्री अतुल बोरा ने उद्घाटन किया। इसी बीच आठ उत्पादों का निर्माण कर उन्हें किसानों के लिए लांच किया जा चुका है। केंद्र को धान की खेती, चाय उद्योग, दालों और सभी प्रकार की सब्जियों के लिए सालाना 1.5 लाख लीटर जैव उर्वरक और 10 मैट्रिक टन उर्वरक का उत्पादन करने की उम्मीद है, जैविक कीटनाशक उत्पादन लक्ष्य निर्धारित हैं और इसका उत्पादन और बाजार के मांग के अनुसार उत्पादन वृद्धि किया जाएगा। मंत्री ने भारत सरकार के उत्तर पूर्व कृषि मशीनरी प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थान का भी दौरा किया और भारत में स्थापित होने वाले पहले कृषि ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। इसके बाद उत्तर पूर्वी कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के निदेशक पी कमलाबारी और अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ चर्चा की कि असम सहित उत्तर पूर्व के किसानों को आधुनिक उपकरणों के व्यवहार से कम आर्थिक लागत में कैसे फायदा पहुंचाया जाएगा। इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री अतुल बोरा, विश्वनाथ के विधायक प्रमोद बरठाकुर, पूर्व मंत्री प्रबीन हजारिका, जोरहाट कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति विद्युत चंद्र डेका, विश्वनाथ जिला आयुक्त मुनीद्र नाथ डाटे, विश्वनाथ फार्स मशीनरी के निदेशक पी कमलाबाई और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कृषि महाविद्यालय के 38वें स्थापना दिवस के अवसर पर मंत्री ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रोफेसर सुमना तामुली ने किया।

इंफाल में एनआरएफएम कैडर गिरफ्तार, हथियार और नकदी बरामद

इंफाल (हिंस)। सुरक्षा बलों ने इंफाल वेस्ट जिले के पटसोई थाना क्षेत्र के तहत खुम्बोंग बाजार से नेशनल रिवोल्यूशनरी फ्रंट ऑफ मणिपुर (एनआरएफएम) के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मैत्रम सोमोरजीत सिंह उर्फ पिबारेल उर्फ टाचौ उर्फ इबाई (50) के पास से एक पिस्टल (.32) और एक मैगजीन, दो राउंड (7.65 मिमी), पांच मोबाइल हैंडसेट, एक पैन कार्ड, एक वोटर कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस और आठ हजार रुपए नकद सहित एक वॉलेट बरामद किया गया है।

असम के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा केंद्रीय बजट : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2025-26 के बजट को सर्वव्यापी, समावेशी और जनहितैषी करार दिया। उन्होंने कहा कि यह बजट चार प्रमुख स्तंभों-कृषि, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई), निवेश और निर्यात-पर आधारित है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा देकर देश को समृद्धि की ओर ले जाएगा। सैकिया ने कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से देश के लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे भारत वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में उभरकर निर्यात में वृद्धि करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने भारत को एक आयात-निर्भर देश बना दिया था, लेकिन अब देश वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख निर्यातक के रूप में पहचाना जा रहा है। दिलीप सैकिया रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन चुका है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए शासन में 2013-14 में भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में 11वें स्थान पर था। सैकिया ने आशा व्यक्त की कि यह बजट असम के विकास को गति देगा और उद्यमियों के लिए नए अवसर खोलेगा। उन्होंने कहा कि बजट राज्यों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में भी मदद करेगा। संविधान के गौरवशाली 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में संविधान गौरव अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत गुवाहाटी महानगर जिले के सहयोग से महानगर के पंजाबाड़ी स्थित आयदेव सिनेमा हॉल में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया और असम सरकार के कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सैकिया ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर संविधान को बार-बार कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए कांग्रेस ने संविधान में संशोधन किए और राजनीतिक लाभ के लिए आपातकाल लागू किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस की इन नीतियों की कड़ी आलोचना की। वहीं, मंत्री पीयूष हजारिका ने भी अपने भाषण में कांग्रेस पर संविधान का अपमान करने का आरोप लगाते हुए उसकी नीतियों की कड़ी निंदा की।

पदातिक एक्सप्रेस न्यू चांगराबांधा स्टेशन पर नए ठहराव के साथ रवाना

गुवाहाटी (हिंस)। रेलयात्रियों को सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ते हुए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के अलीपुरद्वार मंडल के अधीन न्यू चांगराबांधा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 12377/12378 (सियालदह-न्यू अलीपुरद्वार-सियालदह) पदातिक एक्सप्रेस का दो मिनट का अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल) के लोकसभा सांसद डॉ. जयंत कुमार राय ने आज उक्त स्टेशन पर ठहराव के साथ पदातिक एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर विधायक (पश्चिम बंगाल) परेश चंद्र अधिकारी और अलीपुरद्वार मंडल (पूसीरे) के मंडल रेल प्रबंधक अमर जीत गौतम सहित अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि 1 फरवरी को सियालदह से खुली ट्रेन संख्या 12377 (सियालदह- न्यू अलीपुरद्वार) पदातिक एक्सप्रेस अपनी यात्रा के अगले दिन यानी आज न्यू चांगराबांधा रेलवे स्टेशन पर 10-35 बजे पहुंचकर 10-37 बजे रवाना हुई। इसी तरह, 2 फरवरी को न्यू अलीपुरद्वार से खुली ट्रेन संख्या 12378 (न्यू अलीपुरद्वार-सियालदह) पदातिक एक्सप्रेस अपनी यात्रा के दौरान न्यू चंगराबांधा स्टेशन 19 बजे पहुंची और 19-02 बजे रवाना हुई। नए ठहराव से स्थानीय लोगों की बेहतर कनेक्टिविटी को लेकर बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होने की उम्मीद है।

विश्वनाथ के आमबाड़ी में श्रीश्री सरस्वती पूजा समिति पंडाल में सरस्वती पूजा की धूम

राष्ट्रीय विद्यालय कोसगांव में सरस्वती मंदिर की हुई स्थापना

विश्वनाथ (विभास)। बसंत पंचमी तिथि लगने के साथ ही विश्वनाथ के प्रायः शैक्षणिक संस्थान, गृह सार्वजनिक स्थलों में आज विद्या के देवी मां सरस्वती के पूजा में भक्त डूब गए। इधर विश्वनाथ चारिआलि शहर के आमबाड़ी के युवा संघ के द्वारा श्री श्री सरस्वती पूजा के पंडाल में भक्तों ने मां सरस्वती के श्रीचरण शीष झुकाते हुए आशीर्वाद लेते हुए दिखाई दी। छात्र, युवा तथा युवती सुबह से निर्जला व्रत रखकर मां सरस्वती के पूजा अर्चना कर की। सर्वप्रथम पंडित रामानंद ओझा द्वारा मूर्ति स्थापना के बाद कलश पूजन किया गया। इसके बाद फलमूल, प्रसाद आदि मां शारदा के श्रीचरण में अर्पित किया गया। पंडित रामानंद ओझा द्वारा पुष्पांजलि और यज्ञ होने के बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण की। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष प्रभात कुमार गुप्ता, सचिव विशाल साहू, कोषाध्यक्ष मिंटू राय, कार्यकर्ता देवजीत साहू, पुनम कुमारी शाह, मनिका साहनी, डबलू महतो, आयुष गुप्ता, सुनाक्षी शर्मा, प्रियांसु गुप्ता, आरुषि गुप्ता, बिट्टू कुमार गुप्ता तथा असंख्य महिला मौजूद थी। साथ ही विश्वनाथ जिले हिंदी माध्यम के विद्यालय राष्ट्रीय विद्यालय कोसगांव में नवनिर्मित सरस्वती मंदिर में संगमरमर का मूर्ति मां शारदा का स्थापना किया गया और पूजा-अर्चना की गई। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक, कर्मचारी तथा विद्यार्थी मौजूद थे।

युवाओं के लिए डिजिटल साक्षरता पर असम राइफल्स का व्याख्यानमाला का आयोजन

विश्वनाथ (विभास)। असम राइफल्स ने लोकरा, असम में युवाओं के लिए डिजिटल साक्षरता पर एक शिक्षाप्रद व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आसपास के गांवों के 45 छात्रों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखी गई। सत्र का उद्देश्य आज के तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य में डिजिटल साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। कवर किए गए मुख्य विषयों में इंटरनेट की मूल बातें, ऑनलाइन सुरक्षा उपाय, सोशल मीडिया का जिम्मेदार उपयोग और शिक्षा और करियर विकास में डिजिटल उपकरणों की भूमिका शामिल हैं। प्रतिभागियों को साइबर खतरों और व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में भी सिखाया गया। व्याख्यान की संवादात्मक प्रकृति ने खुली चर्चा को प्रोत्साहित किया, जिसमें प्रतिभागी सक्रिय रूप से शामिल हुए और अपने प्रश्नों को स्पष्ट किया। डिजिटल शिक्षा के माध्यम से युवा सशक्तीकरण और सामुदायिक विकास के लिए असम राइफल्स की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए स्थानीय लोगों ने ने खूब सराहनीय कदम बताया है।

सिलचर में लापता महिला सुरक्षित बरामद

कछार (हिंस)। जिला मुख्यालय शहर सिलचर में लापता महिला को पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर लिया है। बगंतोल, अल्गिन ग्रांट निवासी हरेंद्र बागती (30) ने शनिवार को सिलचर पुलिस थाना के एनएच चौकी में शिकायत दर्ज कराई कि उनकी 60 वर्षीय मां रीना बागती 31 जनवरी की शाम करीब 7 बजे घर से लापता हो गई। कछार पुलिस अधीक्षक नोमल महता ने बताया कि रविवार सुबह खोजबीन के दौरान घर के पीछे पहाड़ी के पास स्थित खेत में महिला का शॉल और पेटीकोट मिला। वहीं, उसी स्थान पर एक पैंट, कमर बेल्ट, पुरुष अंडरगारमेंट और जूते भी बरामद हुए, जो उसी गांव के सीताराम बावरी के होने का संदेह है। पुलिस ने मौके पर डॉग स्क्वायड बुलाकर सभी सामान जब्त किए। संदिग्ध सीताराम बावरी अपने घर से गायब मिला, जबकि उसके पिता मनोरंजन बावरी और बड़े भाई लखीराम बावरी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। आखिरकार, गहन तलाशी के बाद लापता महिला को उसी गांव में बरामद किया गया।

बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में श्याम मंदिर में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

गुवाहाटी (विभास)। बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में भारत के सारे श्याम मंदिरों के साथ ही गुवाहाटी एटी रोड छत्रीबाड़ी स्थित श्याम मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड पड़ा। भक्तगण प्रातः 5 बजे से ही मंदिर के सामने एकत्र होने शुरू हो गए। प्रातः 6-30 बजे श्याम बाबा की आरती के पश्चात उनके अंग वस्त्र का वितरण प्रसाद के रूप में किया गया। श्याम मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित गोपाल शर्मा ने बताया कि हर साल बसंत पंचमी के दिन श्याम बाबा का अंग वस्त्र बदल जाता है एवं अगले एक साल के लिए नया वस्त्र पहना दिया जाता है। उतारे हुए वस्त्र को सभी भक्त के बीच प्रसाद के रूप में वितरण कराया जाता है। जो काफी चमत्कारिक होता है। पूरे भारत में सिर्फ श्याम मंदिर और कामाख्या मंदिर के वस्त्र ही वितरण की परंपरा लागू है। इससे पहले बसंत पंचमी की पूर्व रात्रि को बाबा का अभिषेक करके उनके अंग वस्त्र को विधि पूर्वक उतर गया एवं नए वस्त्र पहनाया गया जो अगले एक साल बसंत पंचमी तक रहेगा। इस अवसर पर पुरुष एवं महिलाओं की काफी भीड़ श्याम मंदिर में उमड़ पड़ी। संचालन समिति के सदस्यों ने सभी भक्तों को श्याम बाबा के वस्त्र के छोटे-छोटे टुकड़े प्रसाद के रूप में वितरित किए।

मारवाड़ी अस्पताल का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

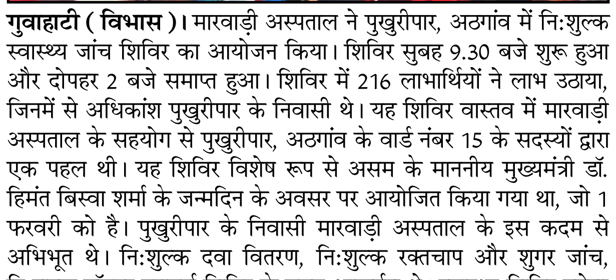

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी अस्पताल ने पुखुरीपार, अठगांव में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर सुबह 9.30 बजे शुरू हुआ और दोपहर 2 बजे समाप्त हुआ। शिविर में 216 लाभार्थियों ने लाभ उठाया, जिनमें से अधिकांश पुखुरीपार के निवासी थे। यह शिविर वास्तव में मारवाड़ी अस्पताल के सहयोग से पुखुरीपार, अठगांव के वार्ड नंबर 15 के सदस्यों द्वारा एक पहल थी। यह शिविर विशेष रूप से असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया गया था, जो 1 फरवरी को है। पुखुरीपार के निवासी मारवाड़ी अस्पताल के इस कदम से अभिभूत थे। निःशुल्क दवा वितरण, निःशुल्क रक्तचाप और शुगर जांच, निःशुल्क डॉक्टर परामर्श शिविर के मुख्य आकर्षण थे। स्वास्थ्य शिविर हमेशा समाज में उनके सामान्य स्वास्थ्य की स्थिति और स्वच्छता के संबंध में सकारात्मक प्रभाव फैलाते हैं। समाज तक पहुँचने के लिए अस्पताल का छोटा सा प्रयास समाज के बड़े हिस्से को बीमारियों के प्रति अधिक जागरूक और जागरूक बनने और अपने स्वास्थ्य के प्रति एहतियात बरतने में मदद कर सकता है। मारवाड़ी अस्पताल का लक्ष्य निकट भविष्य में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करना है ताकि जरूरतमंद रोगियों को निःशुल्क दवा और निःशुल्क उपचार मिल सके।

भगवान आदिनाथ निर्वाणोत्सव का आयोजन

ग्वालपाड़ा / गुवाहाटी। समस्त पूर्वांचल की दिगंबर जैन समाज का एकमात्र सूर्योदय अहिंसा दिगंबर जैन तीर्थ, सूर्यपहाड़ की अतिशय कारी पुण्य धरा पर रविवार को भगवान आदिनाथ का निर्वाणोत्सव विविध कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया। महोत्सव संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सुशील कु.- संगीता देवी गंगवाल परिवार द्वारा झंडारोहण के साथ हुआ। तत्पक्षात त्रिमूर्ती की शांतिधारा करने का सौभाग्य क्रमश आदिनाथ भगवान: धर्मचंद सेठी परिवार, भरत भगवान: सुनिल कु.- सौरभ कु. गंगवाल परिवार, भगवान बाहुबली: दिनेश कु.- वैभव कु. गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ। सूर्यपहाड़ विकास समिति के अध्यक्ष महावीर जैन(गंगवाल)व मंत्री ललित कु. अजमेरा ने बताया कि भगवान आदिनाथ के निर्वाणोत्सव पर श्रीजी के चरणों पर मुख्य निर्वाण लाडू भंवरीलाल- बाबूलाल- कैलाश चंद काला परिवार द्वारा समर्पित किया गया। कार्यक्रम में विधान का मुख्य मंगल कलश श्री दि.जैन(बड़ा) मंदिर पूजा समिति द्वारा स्थापित किया गया। तत्पक्षात विधान का आयोजन विजय कु.पाटनी परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस महोत्सव में शामिल सभी धर्मावलंबियों के लिए अल्पाहार व वात्सल्य भोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था आनन्द कु.- रत्नप्रभा सेठी परिवार द्वारा की गई। इस महोत्सव का समापन स्वर्गीय निर्मल कु.- संतरा देवी सेठी की पुण्यतिथि में उनके पुत्र धर्मेंद्र कु. सेठी द्वारा श्रीजी की महाआरती के साथ हुआ। इस अवसर पर गुवाहाटी, दिसपुर, रंगिया, नलबाड़ी, टिहु, बरपेटा, बगईगांव, जागी रोड, इंफाल, डिब्रूगढ़ आदि जगह से काफी संख्या में धर्मालुगण उपस्थित थे। यह जानकारी समाज के प्रचार- प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी एवं सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

सम्मेलन की महिला शाखा ने की महिला कवियों की काव्य गोष्ठी आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा ने छत्रीबाडी स्थित परशुराम सेवा सदन में मारवाड़ी समाज की महिलाओं की प्रतिभा उजागर करने के उद्देश्य से साहित्य सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत काव्य गोष्ठी का आयोजन शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा की अध्यक्षता में किया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय मुख्यालय उपाध्यक्ष रमेश चांडक, विशिष्ट अतिथि कॉमर्स कॉलेज की प्रोफेसर श्वेता गौड और पूर्वोत्तर विकास वित्त निगम लिमिटेड की राजभाषा अधिकारी स्वाती त्रिपाठी ने भगवान गणेश के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर उनके साथ शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा, शाखा सलाहकार सरोज मित्तल, मंजू पाटनी, मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता भी उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजिका पुष्पा सोनी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए मारवाड़ी समाज की कवियत्रीयों को मंच पर काव्य पाठ के लिए आमंत्रित किया। इससे पहले सभी कवियत्रियों को तिलक लगाकर एवं दुपट्टा पहना कर सम्मानित किया। जिसमें प्रज्ञा शर्मा, मधु माहेश्वरी, रीता हरलालका, प्रतिभा शर्मा, कांता अग्रवाल के अलावा अन्य कई कवियत्रीयों ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम की अन्य संयोजिका रश्मि जैन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

संपादकीय

पेयजल प्रदूषित और सवालिया

यमुना नदी के जहरीले पानी पर दिल्ली चुनाव में वाकई जंग छिड़ी है। इसमें आम आदमी पार्टी (आप), भाजपा ही शामिल नहीं हैं, बल्कि चुनाव आयोग का युद्ध अलग किस्म का है। उसके निशाने पर 'आप' और केजरीवाल हैं। आयोग ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल से पांच और सवाल पूछे थे। केजरीवाल ने यहां तक आरोप लगाया था कि हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिलाने की साजिश रची थी। यदि दिल्ली सरकार के इंजीनियरों ने विषाक्त पानी को यथासमय न रोका होता, तो दिल्ली में 'नरसंहार' भी हो सकता था। यह बेहद गंभीर और नाजुक आरोप है, लिहाजा चुनाव आयोग तह तक जाना चाहता है कि जहर कौन-सा था? कब और कैसे यमुना के पानी में मिलाया गया? दिल्ली जल बोर्ड के किन इंजीनियरों ने कहां पानी रोका, नतीजतन दिल्ली 'नरसंहार' से बच गई? यमुना के जहरीले पानी पर यह सियासत 5 फरवरी को थम जाएगी, क्योंकि उस दिन दिल्लीवाले नई विधानसभा के लिए मतदान करेंगे, लेकिन इससे भी अधिक संवेदनशील और मानवीय सवाल देश भर में साफ पेयजल को लेकर है। एनएसएसओ के 79वें राउंड का डाटा है कि देश के करीब 95 फीसदी घरों की पहुंच पेयजल तक जरूर है। नल के जरिए जल, संरक्षित कुओं, नलकूपों और बोतलबंद पानी के तौर पर घरों को पीने का पानी उपलब्ध है, लेकिन कोई भी विभाग, एजेंसी या वितरण-संस्था यह शर्तिया दावा नहीं कर सकती कि उपलब्ध पेयजल बिल्कुल साफ, विषाणु-रहित और पीने योग्य पानी है। बेशक 'नल से जल' अभियान के बाद पानी के रंगों में सुधार आया है, लेकिन अभी बहुत कुछ सवालिया और प्रदूषित है। ग्रामीण भारत के करीब 40 फीसदी घरों में पेयजल का मुख्य स्रोत नल का पानी ही है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा करीब 70 फीसदी है। इस पेयजल की स्वच्छता, पीने की योग्यता पर सवाल क्यों उठते रहे हैं? हमारा करीब 70 फीसदी पानी 'प्रदूषित' क्यों है? यह सवाल नीति आयोग के 'संयुक्त जल प्रबंधन सूचकांक' की जून, 2018 में प्रकाशित रपट में सामने आया है। रपट में यह भी उल्लेख किया गया है कि पानी की गुणवत्ता के संदर्भ में भारत दुनिया के 122 देशों में 120वें स्थान पर है। यह सवालिया के साथ-साथ शर्मनाक स्थिति है। अनुमान है कि 4 करोड़ अपशिष्ट पानी हररोज हमारी नदियों और अन्य जल-स्रोतों में मिलता है। उसमें से एक छोटा-सा हिस्सा ही शोधित किया जाता है। जब शोधन किए गए पानी को पाइपों के जरिए प्रवाहित किया जाता है, तो उस पानी की गुणवत्ता भी दूषित हो जाती है, क्योंकि पानी को पुराने नेटवर्क के जरिए ही प्रवाहित किया जाता है। उस नेटवर्क के समानांतर सीवेज लाइनें होती हैं, लिहाजा पानी के प्रदूषित होने की संभावनाएं सौ फीसदी होती हैं। निष्कर्ष है कि जो पानी नलों के जरिए दिन में कुछ समय के लिए ही छोड़ा जाता है, वह पीने लायक नहीं रह पाता। क्षेत्र और आवासीय कालोनी के मुताबिक भी पानी की गुणवत्ता प्रभावित होती है। 2019 में मुंबई के नल वाले जल को 100 फीसदी सुरक्षित घोषित किया गया था, लेकिन मॉनसून मौसम से पहले ही शहर में जल संबंधी बीमारियां बढने लगीं। हमारे राजनेता और सत्ताएं बिल्कुल परवाह नहीं करतीं। चुनाव कभी भी पानी के मुद्दे पर तय नहीं हुए। शुक्र है कि इस बार दिल्ली चुनाव में यमुना का पानी अचानक सबसे उग्र चुनावी मुद्दा बन गया है। यमुना के पानी को शोधित करने के लिए संयंत्र कार्यरत हैं, लेकिन पानी में अमोनिया अथवा अन्य रसायन की उपस्थिति मात्रा से अधिक होगी, तो संयंत्र भी पानी को पीने लायक नहीं बना सकते। बेशक देश की राजधानी में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सरीखे वीवीआईपी के अलावा न्यायाधीश, सांसद, राजनयिक भी रहते हैं।

> आयोग ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल से पांच और सवाल पूछे थे। केजरीवाल ने यहां तक आरोप लगाया था कि हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिलाने की साजिश रची थी। यदि दिल्ली सरकार के इंजीनियरों ने विषाक्त पानी को यथासमय न रोका होता, तो दिल्ली में 'नरसंहार' भी हो सकता था। यह बेहद गंभीर और नाजुक आरोप है, लिहाजा चुनाव आयोग तह तक जाना चाहता है कि जहर कौन-सा था? कब और कैसे यमुना के पानी में मिलाया गया? दिल्ली जल बोर्ड के किन इंजीनियरों ने कहां पानी रोका, नतीजतन दिल्ली 'नरसंहार' से बच गई? यमुना के जहरीले पानी पर यह सियासत 5 फरवरी को थम जाएगी, क्योंकि उस दिन दिल्लीवाले नई विधानसभा के लिए मतदान करेंगे, लेकिन इससे भी अधिक संवेदनशील और मानवीय सवाल देश भर में साफ पेयजल को लेकर है। एनएसएसओ के 79वें राउंड का डाटा है कि देश के करीब 95 फीसदी घरों की पहुंच पेयजल तक जरूर है। नल के जरिए जल, संरक्षित कुओं, नलकूपों और बोतलबंद पानी के तौर पर घरों को पीने का पानी उपलब्ध है, लेकिन कोई भी विभाग, एजेंसी या वितरण-संस्था यह शर्तिया दावा नहीं कर सकती कि उपलब्ध पेयजल बिल्कुल साफ, विषाणु-रहित और पीने योग्य पानी है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है

प्रह्लाद सबनानी

> स्वतंत्र भारत का पहिला आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 1950-51 में बजट के साथ पेश किया गया था। 1960 के दशक में आर्थिक सर्वेक्षण को बजट से अलग कर दिया गया एवं इसे बजट के एक दिन पूर्व संसद में पेश किया जाने लगा। आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था की समीक्षा की जाती है एवं अर्थव्यवस्था की सम्भावनाओं को देश के सामने लाने का प्रयास किया जाता है।

भारत सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन द्वारा लोक सभा में देश का आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया गया। स्वतंत्र भारत का पहिला आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 1950-51 में बजट के साथ पेश किया गया था। 1960 के दशक में आर्थिक सर्वेक्षण को बजट से अलग कर दिया गया एवं इसे बजट के एक दिन पूर्व संसद में पेश किया जाने लगा। आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था की समीक्षा की जाती है एवं अर्थव्यवस्था की सम्भावनाओं को देश के सामने लाने का प्रयास किया जाता है। इसे देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार की देखरेख में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक प्रभाग की ओर से तैयार किया जाता है।

लोक सभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कुछ देशों में चल रही आर्थिक परेशानियों के चलते भारत के आर्थिक विकास पर भी कुछ विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, परंतु, चूंकि भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच में रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। हाल ही के समय में ग्रामीण इलाकों में उत्पादों की मांग में तेजी दिखाई दी है और कृषि क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर बढ़ने की सम्भावना है क्योंकि देश में अच्छे मानसून के चलते रबी की फसल के बहुत अच्छे स्तर पर रहने की सम्भावना है और इससे खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर भी कम होगी, जिससे नागरिकों के हाथ में अन्य उत्पादों को खरीदने के लिए धन की उपलब्धता बढ़ेगी। आज केवल खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर कुछ अधिक मात्रा में बनी हुई हुई है अन्यथा कोर महंगाई की दर तो पूर्व में ही नियंत्रण में आ चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम अर्द्धवार्षिकी में समग्र महंगाई की दर भी नियंत्रण में आ जाएगी। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटने की सम्भावना भी व्यक्त की गई है। भारत आज अपने कच्चे तेल की कुल मांग का 87 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें कम होंगी तो भारत में महंगाई भी कम होगी।

विनिर्माण के क्षेत्र में जरूर कुछ चुनौतियां बनी हुई है एवं कई प्रयास करने के बावजूद विनिर्माण क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी बढ़ नहीं पा रही है। विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के

करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की क्षमता है। अतः विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भूमि, श्रम एवं पूंजी की लागत को कम करने की आवश्यकता है। इसके लिए आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में सुधार कार्यक्रमों को गति देने की आवश्यकता है ताकि इन इकाईयों की उत्पादकता में सुधार हो सके एवं इनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उत्पादन लागत कम हो सके। विनिर्माण क्षेत्र में कार्य कर रही इकाईयों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाए जाने की आज महती आवश्यकता है।

सेवा क्षेत्र लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है एवं इस क्षेत्र में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर अतुलनीय बनी हुई है। भारत में वर्तमान में महाकुम्भ मेला चालू है। आज प्रतिदिन एक करोड़ के आसपास श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए प्रयागराज में पहुंच रहे हैं। रेल्वे द्वारा प्रतिदिन लगभग 3,000 विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए कुछ आंकड़ों के अनुसार, महाकुम्भ मेले से उत्तरप्रदेश में 2 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यवसाय एवं 25,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय उत्तरप्रदेश सरकार को होने की सम्भावना है। रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। यह समस्त कार्य न केवल धार्मिक पर्यटन, होटल व्यवसाय, छोटे छोटे उत्पादों के निर्माण एवं बिक्री में अतुलनीय वृद्धि दर्ज करने में सहायक हो रहे हैं बल्कि इससे देश के सेवा क्षेत्र में भी विकास दर तेज हो रही है।

किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी अधिक होगी उस देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर अधिक रहेगी क्योंकि विभिन्न उत्पादों को खरीदने के लिए अर्थव्यवस्था में मांग तो इसी वर्ग के माध्यम से उत्पन्न होती है। अतः देश में प्रयास किए जाने चाहिए कि मध्यमवर्गीय परिवारों के हाथ में अधिक राशि उपलब्ध रहे। भारत में हालांकि समावेशी विकास हुआ है क्योंकि गरीबों की संख्या में तेजी से एवं भारी मात्रा में कमी दर्ज हुई है। परंतु, गरीबी रेखा से हाल ही में ऊपर आकर मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी शामिल हुए परिवार कहीं फिर से गरीबी रेखा के नीचे नहीं चले जायें, इस सम्बंध में भरसक प्रयास किए जाने चाहिए।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों में हो रही आर्थिक परेशानियों के चलते भारत निर्मित विभिन्न उत्पादों के निर्यात में उतनी वृद्धि दर्ज नहीं हो पा रही है जितनी आर्थिक विकास की दर को 8 प्रतिशत से ऊपर रखने के लिए होनी चाहिए। इससे विदेशी व्यापार घाटा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। साथ ही, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत पर भी लगातार दबाव बना हुआ है। हालांकि विदेशी निवेश में आ रही कमी को अस्थायी समस्या बताया गया है और विभिन्न देशों में स्थितियों के सुधरने एवं अमेरिका में आर्थिक नीतियों के स्थिर होने के साथ ही, भारत में विदेशी निवेश पुनः बढ़ने लगेगा।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के 6.2 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। वृद्धि दर में गिरावट के मुख्य कारणों में शामिल हैं देश में लोक सभा एवं कुछ राज्यों में विधान सभा चुनाव होने के चलते आचार संहिता लागू की गई थी, इससे केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों को अपने पूंजीगत खर्चों को रोकना पड़ा था। नवम्बर 2024 तक केंद्र सरकार द्वारा केवल 5 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चे किये जा सके हैं, जबकि औसतन 90,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च प्रति माह होने चाहिए थे। क्योंकि, पूंजीगत खर्चों के लिए पूरे वर्ष भर का बजट 11.11 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित हुआ था। अब सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में केवल 9 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च ही हो सकते हैं। विभिन्न कम्पनियों द्वारा अदा किए जाने वाले कर में भी कमी दिखाई दी है और कुछ कम्पनियों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। जिन जिन कम्पनियों की लाभप्रदता बहुत अच्छे स्तर पर बनी हुई है, इन कम्पनियों से अपेक्षा की गई है कि केंद्र सरकार के साथ साथ वे भी अपने पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करें ताकि देश में नई विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हो और विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति बढ़े, रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हों और महंगाई पर नियंत्रण बना रहे। विशेष रूप से देश में आधारभूत ढांचे को और अधिक मजबूत करने में निजी कम्पनियों द्वारा अपनी भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए।

दृष्टि कोण

वोट बैंक और तुगलकी पंचायती फैसले

देश को अंग्रेजों से आजाद हुए 77 साल हो गए, लेकिन कानून का राज अभी तक पूरी तरह कायम नहीं हो सका। राजनीतिक दलों के वोट बैंक के कारण जातिगत पंचायतें अभी भी कानून से इतर तुगलकी फरमान दे रही हैं। इन फरमानों के आगे शासन-प्रशासन बौने साबित हो रहे हैं। राजस्थान के करौली जिले में मीणा महासभा की महापंचायत ने लडक़ी पक्ष द्वारा विवाह से इंकार किए जाने पर ऐसा ही एक फरमान जारी कर दिया और प्रशासन मूक-बधिर बने खड़ा रहा। महापंचायत द्वारा गठित कमेटी ने रौंसी गांव के लडक़ी पक्ष के लोगों पर 11 लाख रुपए, रिश्ता तय करने में मध्यस्थ रहे दो जनों पर एक-एक लाख रुपए का दंड लगाया गया। साथ ही रौंसी गांव में लडक़े पक्ष पर लगाए 11 लाख के दंड को महापंचायत ने खारिज कर दिया। साथ ही फैसला देने वाले रौंसी क्षेत्र के 5 लोगों को 1100-1100 रुपए से दंडित कर 5 साल के लिए समाज की जाजम से बाहर करने की बात कही। जिन जनप्रतिनिधियों का काम कानून का शासन स्थापित कराना होता है, वही कानून की धज्जियां उड़ाने वाले ऐसे आदिम फैसलों के समर्थन में खड़े नजर आए। इस महापंचायत में टोडाभीम विधायक घनश्याम महर भी पहुंचे। आश्चर्य की बात यह है कि शांति व्यवस्था व महापंचायत पर नजर बनाए रखने के नाम पर 50-60 पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, किंतु कोई कार्रवाई नहीं कर सके। महापंचायत के मनमाने निर्णय पर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस ने कोई एतराज नहीं जताया। मानवाधिकार आयोग को भी अधिकारों के हनन करने वाले ऐसे निर्णय नजर नहीं आते। राजस्थान ही नहीं, देश के दूसरे हिस्सों में भी जातिगत पंचायतें ऐसे फैसले सुनाती रही हैं।

खाप पंचायतें अपने परंपरावादी फैसलों के लिए मशहूर रही हैं। मुजफ्फरनगर के सोरम गांव में खाप महापंचायत ने साल 2014 में फरमान जारी कर लड़कियों के जींस पहनने, उनके फोन और इंटरनेट यूज करने पर बैन लगाया गया था। कुछ लड़कियों के घर से भागने के बाद समाधान के रूप में यह ऐलान किया गया था। ऐसा केवल यूपी में ही नहीं हरियाणा जैसे राज्यों में भी बैन लगाया गया था। साल 2015 में बागपत में एक खाप पंचायत ने दो बहनों के साथ रेप करने और उन्हें निर्वस्त्र करके गांव में घुमाने का आदेश जारी किया था। उन्हें उनके भाई के अपराध की सजा दी गई। उनका भाई एक ऊंची जाति की महिला के साथ भाग गया था। जुलाई 2010 में हरियाणा की सर्व खाप जाट पंचायत ने फरमान जारी किया कि लड़कियों की शादी के लिए उनके बालिग होने का इंतजार नहीं करना है। उनकी शादी अब 15 साल में ही कर देनी है। रेप की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए यह आदेश जारी किया गया था। ऑनर किलिंग, समगोत्रिय विवाह और प्रेम विवाह को लेकर खाप पंचायतें बेतुका बयान जारी करती रही हैं।

खाप पंचायतों को न तो सुप्रीम कोर्ट की फटकार का ख्याल है और न ही आलोचनाओं का, तभी तो उनके बेतुके फैसले तालिबानी और तुगलकी फरमान की तरह लोगों के सिर पर पहाड़ बन कर टूटते हैं। झज्जर की खाप पंचायत का मानना था कि आर्य समाजी ढंग से होने वाली शादियों पर तत्काल से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। खाप ने यह बेतुका फरमान लव मैरिज को रोकने के लिए सुनाया था। खाप पंचायत प्रेम विवाह के खिलाफ है। खाप ने आर्य समाज में होने वाली शादियों को दुकानदारी करार दिया था। खाप और जातिगत पंचायतों के इस तरह के बेबुनियाद तर्क बदस्तूर जारी हैं। एक खाप ने कहा था कि बलात्कार और यौन शोषण जैसी घटनाओं को रोकने के लिए लड़कियों का बाल विवाह कर देना चाहिए, ताकि वो जवान होने से पहले ही किसी की पत्नी बन जाएं और पुरुष उनकी ओर आकर्षित न हो। महाराष्ट्र के बीड में एक महिला और उसके परिवार के सामाजिक बहिष्कार का आदेश देने पर जाति पंचायत के 9 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

कुछ अलग

भांग की खेती और सिद्धांत...

लो जी नई कंट्रोवर्सी खड़ी हो गई है। सरकार ने भांग की खेती को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यानी सैद्धांतिक तौर पर निर्णय लिया है कि भांग की खेती की जाएगी। यह सरकार का बहुत बड़ा निर्णय है और इसके लिए सरकार को सौ बार सैल्यूट। लेकिन सोशल मीडिया का जमाना है और सरकार की सैद्धांतिक मंजूरी मिलने के बाद सोशल मीडिया पर 'भांग पर बहस' भी शुरू हो गई है। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सरकार पब्लिक की मूलभूत समस्याओं से ध्यान हटाना चाहती है और अपना ध्यान भांग पर फोकस करना चाहती है। विपक्ष सरकार से सवाल पूछ रहा है कि 'भांग की खेती को सैद्धांतिक मंजूरी के पीछे असली मंशा क्या है? क्या सरकार अपने करीबी लोगों को भांग की खेती के ठेके देना चाहती है? क्या कॉर्पोरेट घरानों के लोग अब गरीब आदमी की जमीन पर कब्जा करके भांग उगाना शुरू कर देंगे? गरीब किसान कहां जाएगा?' मौका पाते ही टीवी चैनल भी इस बहस में कूद गए हैं। हर चैनल इसे 'ब्रेकिंग न्यूज' बना रहा है। एक एंकर चिल्लाते हुए कह रहा है, 'क्या यह देश भांग की खेती से सुपर पावर बनेगा? यह सरकार की दूरदर्शिता है या भांग का नशा?' बहस में शामिल एक नेता कटाक्ष करते हुए कह रहा है, 'ऐसे निर्णय लेने वाले कई बार भांग खाकर भी सदन में आते देखे गए हैं और सदन की गरिमा खंडित हुई है, लेकिन अब सरकार के इस सैद्धांतिक निर्णय से एक बात तो स्पष्ट हो गई है कि कम से कम अब देश भांग के झूठे सपनों पर नहीं, असली भांग पर चलेगा।' उधर सरकार भी चुप नहीं बैठी है। भांग की खेती को सैद्धांतिक मंजूरी देने के बाद सरकार के हौसले सातवें आसमान पर हैं। सरकार के प्रवक्ता ने भी प्रेस रिलीज जारी कर दी है, जिसमें लिखा गया था कि 'भांग की खेती से न केवल कृषि क्षेत्र में क्रांति आएगी, बल्कि यह ग्रामीण रोजगार के लिए वरदान साबित होगी। साथ ही, भांग से औषधि उद्योग में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।'

प्रवक्ता का स्पष्टीकरण मीडिया के लिए रिलीज हो गया है, लेकिन कभी हार न मानने वाले न्यूज चैनलों ने एक और दिलचस्प एंगल खोज निकाला है। उन्होंने उन किसानों का इंटरव्यू ले लिया है जो पहले से ही चुपचाप भांग की खेती करते आए हैं। एक किसान बता रहा है, 'साहब, अब सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है तो पुलिस वाले अब हमारी भांग की फसल उखाडऩे नहीं आएंगे। पहले हम चोरी-छिपे उगाते थे, अब गर्व से उगाएंगे।' दूसरी तरफ, कॉरपोरेट जगत में हलचल मच गई है। कारपोरेट जगत भांग में संभावनाएं तलाशने लगा है। एक प्रमुख उद्योगपति का तो मौके का चौका मारते हुए बयान भी आ गया है, 'हम भांग आधारित पेय और स्नैक्स लॉन्च करेंगे। हमारा लक्ष्य भारत को भांग उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाना है। दुनिया हमारा क्या खाकर मुकाबला करेगी?' इस सबके बीच, बाबा लोग भी चुप नहीं बैठे हैं। एक बाबा ने ऐलान कर दिया है कि वह 'आध्यात्मिक भांग रिट्रीट' शुरू करने वाले हैं। उनका दावा था कि भांग का सेवन करते ही भक्त ध्यान में तुरंत लीन हो जाएंगे। इस सारी कंट्रोवर्सी के बीच सरकार ने जनसंपर्क अभियान छेड़ दिया है और नेताजी के समर्थक गांव-गांव जाकर पब्लिक को समझा रहे हैं कि जब भांग की खेती होगी तो आम आदमी को भी भांग मयस्सर होगी। इससे आम आदमी अपनी समस्याओं से छुटकारा पाने लगेगा। उसे महंगाई परेशान नहीं करेगी। बेरोजगारी परेशान नहीं करेगी। बीवी के ताने परेशान नहीं करेंगे। उसकी खुशियों का सूचकांक बहुत तेजी से ऊपर की ओर जाता रहेगा। उसे चारों तरफ खुशहाली नजर आएगी। इस खुशहाली में फिर भांग की खेती की तस्वीर भी दिखेगी।

देश दुनीया से

प्रदेश के संदर्भ में ओबीसी आरक्षण

भारत में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण एक महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रावधान है, जिसका उद्देश्य समाज के सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को समान अवसर प्रदान करना है। यह प्रावधान न केवल सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र और संविधान के मूल सिद्धांतों का पालन भी करता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में ओबीसी आरक्षण से संबंधित विवाद और समस्याएं इसे एक संवेदनशील और जटिल विषय बना चुकी हैं, खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां इस प्रावधान का सही तरीके से पालन नहीं हो पाया है। ओबीसी आरक्षण का उद्देश्य केवल जाति या धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करना है। यह सुनिश्चित करना कि सभी नागरिकों को समान अवसर मिलें, ताकि वे शिक्षा, रोजगार और विकास के क्षेत्र में समान रूप से भागीदार बन सकें, भारतीय संविधान का एक मुख्य उद्देश्य है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश में इस उद्देश्य को लागू करने में कई बाधाएं सामने आई हैं, जो ओबीसी वर्ग के उत्थान के रास्ते में रुकावट डालती हैं। हिमाचल प्रदेश में ओबीसी आरक्षण का कार्यान्वयन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।

राज्य में 48 ओबीसी जातियां एवं चार क्षेत्र जिओग्राफिकल बैकवर्डनेस के कारण जिसमें ज्यादातर अपर कास्ट समुदाय के लोग ओबीसी में शमिल हैं। लेकिन इन जातियों को आरक्षण का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकारी नौकरियों में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है, लेकिन वास्तविकता में यह आंकड़ा केवल 12-18 प्रतिशत के बीच है। शैक्षिक क्षेत्र में भी ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण की व्यवस्था पूरी तरह से लागू नहीं हो पाई है, जो उनके सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए एक बड़ी बाधा बन गई है। वर्ष 2006 में, केंद्र सरकार ने 93वें संविधान संशोधन को लागू किया था, जिसके तहत सभी सरकारी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया था। हालांकि, लगभग दो दशकों के बाद भी, हिमाचल प्रदेश में सरकारों ने इस संशोधन को लागू नहीं किया। यह राज्य सरकारों की नीति निर्धारण में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाता है। उदाहरण के तौर पर, 2019 में राज्य सरकार ने 103वें संविधान संशोधन को तत्काल लागू किया, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 फीसदी आरक्षण प्रदान किया गया, लेकिन ओबीसी आरक्षण पर कोई प्रगति नहीं हुई। यदि उस समय 93वें संविधान संशोधन को भी लागू किया जाता, तो यह एक ऐतिहासिक कदम होता और समाज में न्याय की दिशा में भाजपा सरकार का महत्वपूर्ण प्रयास साबित होता। मैंने इस मुद्दे को न केवल विधानसभा में, बल्कि व्यक्तिगत रूप से तत्कालीन मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठाया। बावजूद इसके, पार्टी और मुख्यमंत्री की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका। आज भी, हिमाचल प्रदेश के शैक्षिक संस्थानों में ओबीसी वर्ग को कोई विशेष आरक्षण नहीं मिल रहा है। राज्य विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों में ओबीसी के लिए आरक्षण की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में ओबीसी के लिए केवल दो सीटें आरक्षित की गई हैं, जबकि राज्य विश्वविद्यालयों में यह संख्या शून्य है। उदाहरण स्वरूप, प्रदेश के एकमात्र कृषि विश्वविद्यालय में ओबीसी वर्ग को छोडक़र सभी जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था है।

चौधरी सरवण कुमार के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय में ओबीसी समुदाय के विद्यार्थियों को दाखिला पाने के लिए कोई आरक्षण नहीं है, जो कि न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि हास्यास्पद भी है। कृषि क्षेत्र में ओबीसी का योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा है, लेकिन इस क्षेत्र में आरक्षण के अभाव ने उन्हें अवसरों से वंचित किया है। इसके परिणामस्वरूप, ओबीसी वर्ग के लोग शिक्षा और रोजगार के अवसरों से वंचित रह जाते हैं, जो उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को और भी कमजोर करता है। भारतीय संविधान के तहत ओबीसी आरक्षण का प्रावधान समाज के कमजोर वर्गों को समान अवसर प्रदान करने के लिए किया गया था। यह व्यवस्था 93वें संविधान संशोधन (2006) के तहत लागू हुई, जिसके बाद ओबीसी के लिए आरक्षण को संवैधानिक दर्जा मिला। हालांकि, इस उद्देश्य को लागू करने में कई राज्य सरकारें असफल रही हैं, लेकिन यह अत्यंत आवश्यक है कि ओबीसी आरक्षण को सही तरीके से लागू किया जाए। केवल तभी समाज के हर वर्ग को समान अवसर मिल सकेंगे, और ओबीसी वर्ग अपनी शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार कर सकेगा। ओबीसी आरक्षण की आवश्यकता भारतीय समाज में तब तक बनी रहेगी, जब तक सामाजिक और आर्थिक समानता की स्थिति पूरी तरह से स्थापित नहीं हो जाती। यह संवैधानिक प्रावधान केवल एक अस्थायी उपाय नहीं, बल्कि समाज में न्याय, समानता और अवसरों की समानता सुनिश्चित करने का एक स्थायी रास्ता है। हिमाचल प्रदेश में ओबीसी आरक्षण की स्थिति में सुधार के लिए राज्य सरकार को तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

प्रदेश लोक सेवा आयोग और हिमाचल प्रदेश चयन आयोग में ओबीसी समुदाय से कोई प्रतिनिधि और सदस्य नहीं है। ओबीसी वर्ग को कानूनों और न्यायालयों के जरिए मिले हकों को लागू करने में सरकारें विफल रही हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अक्सर ओबीसी और संविधान की बात करते हैं, लेकिन राज्य में कांग्रेस की सरकार ने 93वें संविधान संशोधन को लागू नहीं किया, जिससे उनकी बातों की अनदेखी की जा रही है। वर्तमान सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि संविधान द्वारा निर्धारित ओबीसी आरक्षण के प्रावधानों को पूरी ईमानदारी से लागू किया जाए, ताकि ओबीसी वर्ग को उनके अधिकार मिल सकें और वे समाज में अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान दे सकें। यह न केवल ओबीसी वर्ग के उत्थान के लिए, बल्कि समग्र समाज की समृद्धि के लिए भी आवश्यक है। ओबीसी समाज उसी पार्टी को समर्थन देगा जो उनके हित साधेगी।

आप का नजरीया

भीड़ की त्रासदी है

अंततः साबित हो गया कि महाकुंभ प्रयागराज में 'त्रासद हादसा' हुआ। भीड़ के कारण भगदड़ मची। भगदड़ वैसी ही थी, जैसी इतिहास में दर्ज हैं और हम कई बार देख-सुन चुके हैं। जिंदगी एक भी बेहद अमूल्य है, वह किसी भी सूरत में कुचली नहीं जानी चाहिए। यह अक्षम्य मानवीय अपराध तय होना चाहिए। मौत निश्चित और अपरिहार्य है, लेकिन मौत वह होनी चाहिए, जो नियति ने तय की हो। क्या महाकुंभ की त्रासदी को भी नियति मान लिया जाए? महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालु पुण्य कमाने गए थे और अब भी जा रहे हैं, प्रधानमंत्री मोदी ने भी उन्हें 'पुण्यात्मा' माना है, वे पूर्णतः आस्थामय थे, लिहाजा पवित्र संगम घाट से 200 मीटर की दूरी तक पहुंच गए थे। फिर उनकी आस्था अधूरी क्यों रही? शायद यही नियति हो! बहरहाल भगदड़ मची और सोते, विश्राम करते भक्त भीड़ की कुचलियों तले फंस गए। कुचलन के कारण 30 मौतें हो गईं, 60 घायल हुए। उनमें से 36 लोग अब भी अस्पताल में उपचाराधीन हैं। महाकुंभ की यह त्रासदी विश्व भर के मीडिया में छाई है। बड़े-बड़े अखबारों में सुर्खियां, विश्लेषण छापे जा रहे हैं कि भारत इतने व्यापक स्तर पर भीड़ का प्रबंधन करने में नाकाम रहा। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या कुंभ जैसे अपरिमित जन-आयोजन भारत में किए जाने चाहिए? भारत के सुरक्षाकर्मी भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे अथवा महज अपीलें जारी कर रहे थे? अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत-विरोधी अभियान-सा छिड़ गया लगता है। बेशक भगदड़ें होती रही हैं, धार्मिक स्थलों पर ज्यादा हुई हैं, लिहाजा ऐसी त्रासदियों को भी नियति माना जाए। दुनिया भर में भयानक और वीभत्स हत्याएं भी की जाती रही हैं। यह एक निरंतर अपराध है। कुंभ या किसी भी जन-सैलाब के दौरान भगदड़ और बर्बर हत्याओं को मीडिया में 'बैनर सुर्खियों' के तौर पर छापा जाता रहा है। कई दिनों तक विश्लेषण भी प्रकाशित किए जाते रहे हैं, लेकिन अलजाइमर की बीमारी दुनिया भर में मौतों की 7वीं सबसे बड़ी और तय कारण है, लेकिन उसकी खबर एक कोने में छपती है। कई बार तो नजरअंदाज भी कर दिया जाता है। सडक़ दुर्घटनाओं में सालाना लाखों मौतें होती हैं, लेकिन इन्हें भी सुर्खियां नहीं बनाया जाता। कोरोना महामारी की खबर तब तक एक कोने में, अंदर के पन्नों पर, छपती रही, जब तक भारत में मौतों का आंकड़ा निरंतर और भयावह नहीं हो गया। दरअसल भारत एक संकरा और भीड़-भाड़ वाला देश है। आबादी करीब 145 करोड़ है और निरंतर बढ़ रही है। गौरतलब है कि भारत में 9 शहर ऐसे हैं, जिनकी आबादी 70 लाख से ज्यादा है। करीब 46 शहर ऐसे हैं, जिनकी आबादी 10 लाख से अधिक है। इन शहरों के पास ऐसे मैदान भी नहीं हैं, जहां 5 लाख की भीड़ को एक जगह संभाल लिया जाए। देश में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां एक दिन में 8-10 करोड़ लोगों की भीड़ जमा हो सके और कोई हादसा भी न हो। हमारे रेलवे स्टेशनों पर इतनी भीड़ हो जाती है कि अक्सर भगदड़ के आसार बनते रहते हैं। फिर महाकुंभ में करोड़ों की भीड़ के प्रबंधन और नियंत्रण के दावे क्यों किए गए? पुण्य स्नान के लिए लोगों को आमंत्रण क्यों दिया जाता रहा? बेशक मेला क्षेत्र 4000 हेक्टेयर में फैला है।

दिल्ली में बनेगी भाजपा सरकार, कांग्रेस व आप का होगा सफाया : कृष्ण बिश्नोई

हिसार (हिंस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी की सरकार बनना निश्चित है। इस चुनाव में आप और कांग्रेस का सूपड़ा साफ होने जा रहा है। यह दावा हिसार से बीजेपी नेता कृष्ण बिश्नोई ने दिल्ली के चांदनी चौक क्षेत्र ने बीजेपी प्रत्याशी सतीश जैन के पक्ष में चुनाव प्रचार करते हुए किया। कृष्ण बिश्नोई चांदनी चौक क्षेत्र के प्रवासी प्रभारी भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता के नेतृत्व में चुनाव प्रचार करने पहुंचे हैं। उन्होंने डोर टू डोर मतदाताओं से संपर्क कर भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाने की अपील की। इस दौरान कृष्ण बिश्नोई ने कहा कि केजरीवाल की पोल खुल चुकी है। दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी की झूठ और कुशासन को देखा है और अब दिल्ली की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि गत दस वर्षों में दिल्ली में न केवल भ्रष्टाचार बढ़ा है बल्कि विकास का पहिया भी रुक गया है।

राजस्थान में बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर होगा आंदोलन : बेनीवाल

जोधपुर (हिंस)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने राजस्थान में बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर शीघ्र आंदोलन चलाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वह लोकसभा में भी एसआई भर्ती का मामला उठाएंगे। यह बात उन्होंने रविवार को जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए कही। उन्होंने केंद्रीय बजट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इस बजट से देश को निराशा मिली है। इस बजट में राजस्थान का नाम तक नहीं लिया गया और महंगाई और रोजगार के मुद्दे पर कोई प्रावधान नहीं किए गए, जबकि इस बजट से बहुत उम्मीदें जताई जा रही थीं। राजस्थान के तीन-चार सांसद और मंत्री हैं, लेकिन वे कुछ नहीं कर पाए। वित्त मंत्री ने राजस्थान का नाम तक नहीं लिया, लेकिन मैं हमेशा राजस्थान के मुद्दे उठाता रहूंगा। दिल्ली चुनाव और इनकम टैक्स में छूट को लेकर बेनीवाल ने कहा कि 12 लाख रुपए तक की इनकम टैक्स छूट केवल

दिल्ली चुनाव में लाभ उठाने के लिए दी गई है। इसके पीछे महंगाई को नजरअंदाज कर दिया गया है। देश में पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों के कारण महंगाई हुई है, लेकिन उसके लिए कोई प्रावधान नहीं किए गए। बेनीवाल ने कहा कि यूपीए सरकार के समय जो क्रूड ऑयल के भाव थे, उनसे अभी कीमतें कम हैं, फिर भी सरकार हर दिन हजारों करोड़ कमा रही है, लेकिन महंगाई कम करने के लिए कुछ नहीं कर रही है। आरपीएससी के अध्यक्षों के कार्यकाल की जांच की मांग करते हुए बेनीवाल ने कहा कि हमने मांग की है कि 2004 से लेकर अब तक राजस्थान लोक सेवा आयोग के जितने भी अध्यक्ष बने हैं, उनके कार्यकाल की जांच की जाए। इन अध्यक्षों और सदस्यों ने अपने चहेते लोगों को सैकड़ों नौकरियां दी हैं। सरकार को चाहिए कि इन लोगों का नार्को टेस्ट कराए, ताकि यह पता चल सके कि यहां कितने घोटाले हुए हैं। बेनीवाल ने कहा कि कांग्रेस को इंडिया एयरलाइंस के साथ मिलकर चलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मजबूती से विपक्ष का अभाव स्पष्ट नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली चुनाव में हम अरविंद केजरीवाल के साथ हैं। समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस उनका समर्थन कर रही हैं, लेकिन कांग्रेस अलग-अलग चुनाव लड़ रही है। इस तरह कांग्रेस दिल्ली में बीजेपी की बी टीम के रूप में काम कर रही है, जैसा कि राजस्थान में उपचुनाव के दौरान हुआ था। योगी सरकार की कुंभ प्रबंधन में विफलता पर बेनीवाल ने कहा कि महाकुंभ के लिए जो बजट दिया गया था, उसका सही उपयोग नहीं हुआ। जो व्यवस्थाएं होनी चाहिए थीं, वे नहीं हुईं। यह योगी सरकार की बड़ी असफलता है। साधु-संतों ने भी इस मुद्दे पर बयान दिए हैं। कुंभ की घटना को लेकर लोकसभा भी चिंतित है। इस घटना के बाद जो कार्रवाई होनी चाहिए थी, वह नहीं हुई। लोगों की जान की कीमत की परवाह नहीं की गई। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

मां सरस्वती की आराधना करके वृद्धाश्रम में मनाया बसंत पंचमी उत्सव

हिसार (हिंस)। सेवार्थ भाव से बुजुर्गों की देखभाल व चिकित्सा में जुटे मोक्ष वृद्धाश्रम में बसंत पंचमी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष नतमस्तक होकर पूजा व आराधना की गई। इस दौरान मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक समाजसेवी माता पंकज संधीर का जन्मदिन भी धूमधाम से मनाया गया। बसंत पंचमी उत्सव के लिए मोक्ष वृद्धाश्रम को लड़ियों से सजाया गया और आश्रम से जुड़े सदस्यों ने पीले पटके पहनकर बसंती बयार का परिचय दिया। इस दौरान पीले व्यंजनों का वितरण भी किया गया। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक समाजसेवी माता पंकज संधीर व प्रधान विजय भृगु ने सभी बुजुर्गों व स्टाफ सदस्यों को बसंत पंचमी की बधाई देते हुए कहा कि विद्या व ज्ञान की देवी मां सरस्वती की सभी पर अनुकंपा बनी रहे। उन्होंने कहा कि सभी स्वस्थ रहकर शालीन जिंदगी व्यतीत करें यही कामना है। इसी कड़ी में बसंत पंचमी उत्सव का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि मोक्ष वृद्धाश्रम में महिलाओं के लिए मंदबुद्धि आश्रम का संचालन भी किया जा रहा है।

राजस्थान के युवाओं की उम्मीदों को पूरा करेगी राज्य सरकार : सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान शक्ति, भक्ति और स्वाभिमान का प्रदेश है। यहां का युवा विश्वास और कड़ी मेहनत से आगे बढ़ रहा है। राजस्थान को देश का अग्रणी प्रदेश बनाने के संकल्प में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार भी युवाओं के सपनों को साकार करने का पूर्ण प्रयास कर रही है। शर्मा ने रविवार को जयपुर में आयोजित 16वीं जयपुर मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की मैराथन का आयोजन बहुत आवश्यक है। इससे स्वस्थ रहने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि युवाओं का देश और प्रदेश की उन्नति में अहम योगदान है। राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश शिक्षा, चिकित्सा, खनिज एवं पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में निरन्तर प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश अगले वर्ष खेलो इंडिया गेम्स की मेजबानी करेगा, जिसमें युवाओं की सहभागिता महत्वपूर्ण होगी। राज्य सरकार ने खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और संभाग स्तर पर खेल महाविद्यालय खोलने का मार्ग भी प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट के सफल आयोजन से जिलों में औद्योगिक निवेश आ रहा है। इससे प्रदेश के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा। साथ ही, राज्य सरकार 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी के अवसर भी उपलब्ध कराएगी। शर्मा ने मैराथन विजेताओं को चैक प्रदान कर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर विधायक शत्रुघ्न गौतम, उप महापौर जयपुर नगर निगम ग्रेटर पुनीत कर्णावट, जयपुर मैराथन के आयोजक सुरेश मिश्रा, नीलम मिश्रा, वर्ल्ड ट्रेड पार्क के चैयरमेन अनूप बरतरिया, कार्यकारी निदेशक एयू बैंक उत्तम टिबरेवाल सहित ब?ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय-राष्ट्रीय धावक और शहरवासी उपस्थित रहे ।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल : अमोल पालेकर ने साझा किया बीआर चोपड़ा से जुड़े विवाद का किस्सा

जयपुर (हिंस)। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के चौथे दिन रविवार को बॉलीवुड अभिनेता अमोल पालेकर ने फिल्म निर्देशक बीआर चोपड़ा से जुड़े एक दिलचस्प वाकये का खुलासा किया। पालेकर ने बताया कि कैसे बकाया पैसे मांगने पर बीआर चोपड़ा ने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री से बाहर फेंक देने की धमकी दी थी। अमोल पालेकर ने कहा कि बीआर चोपड़ा की फिल्म कंपनी को उन्हें 40 हजार रुपए देने थे, जो फिल्म की रिलीज तक नहीं मिले। उन्होंने इस बारे में एक लिखित आश्वासन मांगा, जिसे इंडस्ट्री में चुनौती मान लिया गया। चोपड़ा ने उन्हें धमकी दी, *तुम्हें इंडस्ट्री से बाहर फेंक दूंगा।* इसके जवाब में पालेकर ने स्पष्ट रूप से कहा कि फिल्म इंडस्ट्री आपका बंगला नहीं है। मैं यहां अपने दम पर टिका हूं। किसी फिल्मी खानदान से नहीं आता, फिर भी मैंने अपनी जगह बनाई है। देखते हैं कौन-किसे बाहर करता है। पालेकर ने इस विवाद को अदालत तक पहुंचाया। वर्षों बाद उन्हें 40 हजार रुपए ब्याज सहित मिले। उन्होंने इस पूरी राशि को दान कर दिया। पालेकर ने कहा कि यह पैसों की नहीं, बल्कि सम्मान की लड़ाई थी। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के चौथे दिन आयोजित इस सत्र में पालेकर ने संध्या गोखले और कार्यक्रम आयोजक संजॉय के. रॉय के साथ बातचीत की। पांच दिवसीय इस फेस्टिवल में 600 से अधिक वक्ता देश-विदेश से हिस्सा ले रहे हैं। यह किस्सा न केवल पालेकर के साहस और दृढ़ता को दर्शाता है, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री की चुनौतियों और कलाकारों के आत्म-सम्मान की अहमियत को भी उजागर करता है।

अनिता चौधरी हत्याकांड में पुलिस ने गुलामुद्दीन और आबिदा को ही माना आरोपी, चार्जशीट पेश

जोधपुर (हिंस)। बहुचर्चित अनिता चौधरी हत्याकांड मामले में जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस ने न्यायालय में चार्जशीट पेश कर दी है। पुलिस ने अनिता हत्याकांड में मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन और उसकी पत्नी आबिदा को ही आरोपी मानते हुए उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। जांच अधिकारी एडीसीपी (महिला अपराध अनुसंधान सेल पश्चिम) सुनील के पंवार ने नियत समय में मामले की जांच कर गत तीस जनवरी को कोर्ट में यह चार्जशीट पेश कर दी जिसमें गुलामुद्दीन द्वारा अनिता की हत्या कर टुकड़ों में काटना और उसकी पत्नी को उसका सहयोगी माना है। दोनों आरोपी अभी न्यायिक हिरासत में चल रहे हैं। जांच अधिकारी सुनील के पंवार ने बताया कि अनिता चौधरी की हत्या लूट के इरादे से की गई थी। गत 27 अक्तूबर को अनिता अपने पार्लर से गुलामुद्दीन के घर गई, तो वह उसे एस्कॉर्ट कर रहा था। नशीला पदार्थ पिलाकर उसे बेहोश किया गया। उसके पहने हुए जेवर उसने उतार लिए। अपनी पत्नी को उसकी बहन के घर भेज दिया। अगले दिन 28 अक्तूबर को सुबह जब अनिता नहीं उठी, तो वह घबरा गया। बेहोशी की हालत में उसने सिर फोड़कर हत्या कर दी। शव को ठिकाने लगाने के लिए उसने सरदारपुरा से एक तेज चाकू खरीदा जिससे छह टुकड़े कर शव गाड़ दिया था। पुलिस ने इस हाइप्रोफाइल मामले में एक प्रॉपर्टी डीलर को भी कई दिनों तक हिरासत में रखा था। लेकिन उसके खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं मिले, जिसके चलते उसे छोड़ना पड़ा। फिलहाल पुलिस को अभी अनिता चौधरी के मोबाइल से कुछ सबूत मिलने की उम्मीद है, जो अभी एफएसएल जांच में गया हुआ है। अगर कुछ अन्य तथ्य आते हैं, तो उनको भी पूरक चार्ज शीट में शामिल किया जाएगा। जांच में सामने आया कि 29 अक्तूबर को गुलामुद्दीन जोधपुर से मुंबई भाग गया था। तीन नवंबर को वह वापस जोधपुर लौटा। अपने रिश्तेदार की दुकान पर गया, तो जोधपुर के अखबार और टीवी चैनल पर अनिता हत्याकांड की खबरें देखीं। इसके बाद वह अशोक उद्यान की तरफ गया। जांच में सीसीटीवी में पुलिस को नजर आया। तब उसने गिरफ्तारी से बचने के लिए दोबारा मुंबई की राह पकड़ ली थी। आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर चल रहे धरने के बीच पुलिस पर दबाव बना। जोधपुर से एडीसीपी निशांत भारद्वाज की अगुवाई में एक टीम मुंबई पहुंची। जिसमें लगातार पड़ताल कर मुंबई सेंट्रल से उसे पकड़ा। वह मुंबई के बाद नेपाल जाने की फिराक में था। गुलामुद्दीन को पकडने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान मुंबई में उसे पुलिसकर्मियों ने पकड़ा। जब उससे नाम पूछा और आईडी मांगी, तो उसने गफ्फार के नाम का आईडी प्रूफ दिखाया। एक बार तो पुलिस ने उसे छोड़ दिया लेकिन उसकी फोटो अन्य पुलिसकर्मियों ने देखी, तो उन्होंने कहा कि यही गुलामुद्दीन है। जिसके बाद मुंबई की सड़कों पर करीब 500 मीटर तक जोधपुर पुलिस के जवान और एडीसीपी निशांत भारद्वाज ने दौड़ लगाई और गुलामुद्दीन को दबोचा। 27 अक्तूबर को अनिता अपने ब्यूटी पार्लर से निकलकर एक ऑटो से गंगाना स्थित गुलामुद्दीन के घर गई थी। दो दिन घर नहीं आई, तो परिजन थाने पहुंचे। अनिता के फोन की अंतिम लोकेशन से तीस अक्तूबर को पुलिस गंगाना पहुंच गई जहां गुलामुद्दीन की पत्नी आबिदा को पकड़ा था।

श्रीराम जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह

सर्व हिंदू समाज की 23 बेटियों के हाथ पीले, आशीर्वाद देने उमड़े सर्व समाज के प्रबुद्धजन

जोधपुर (हिंस)। सेवा भारती समिति जोधपुर की ओर श्रीराम जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह 2025 का आयोजन रविवार को विक्रम संवत 2081 बसंत पंचमी के पावन दिवस पर आदर्श विद्या मंदिर केशव परिसर, कमला नेहरू नगर में आयोजित हुआ। समिति के प्रचार प्रमुख महेश सारस्वत ने बताया कि विवाह समारोह में 23 जोड़े परिणय सूत्र में बंधकर सात जन्मों तक साथ रहने का वचन निभाया। समारोह में सर्व हिंदू समाज के लोग सम्मिलित हुए। सभी ने साथ बैठकर भोजन किया। सामूहिक विवाह सम्मेलन में पाणिग्रहण से पहले सामूहिक मंत्रोच्चार के साथ गणेश पूजन का कार्यक्रम हुआ। वर-वधू पर सेवा भारती की महिला कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा की। इस दौरान बड़ी संख्या में वर-वधू पक्ष के लोगों के साथ ही समाज के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। तोरण के बाद सभी जोड़े मंच पर पहुंचे, जहां एक एक कर सभी के वरमाला संस्कार का आयोजन हुआ। सेवा भारती समिति जोधपुर के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने बताया कि पूज्य संतों के सानिध्य में आयोजन हुआ। विवाह समारोह में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय सेवा भारती के अखिल भारतीय स्वावलंबन प्रमुख विनोद कुमार बिड़ला ने संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक डॉ.केशवराव बलिराम हेडगेवार साहब ने समरस हिंदू समाज का स्वप्न संजोया था। पूरा संघ परिवार अपनी अपनी तरह से उसे साकार करने का प्रयास कर रहा है। सेवा भारती समिति की इसमें बड़ी भूमिका है।वंचितों को शिक्षा व स्वावलम्बन जैसे सेवा के अनेक कार्यों के साथ ही सेवा भारती प्रति वर्ष श्रीराम जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन करके समाज में लोगों को कई प्रकार के संदेश देते हैं कि समाज में वंचित व गरीब वर्ग के लोग भी अकेले नहीं हैं। समाज व संगठन उनके साथ खड़ा है। सर्व समाज को समरस होना है। प्रत्येक वर-वधू को भी अब सामाजिक समरसता के लिए काम करने का संकल्प लेना है।श्रीराम जानकी सर्वजातीय जातीय सामूहिक विवाह समारोह समिति के अध्यक्ष निर्मल गहलोत ने कहा कि सामाजिक एकता का अर्थ है जाति, धर्म, वर्ण से ऊपर उठकर एक साथ रहना। सामाजिक एकता विपरीत परिस्थिति में भी एक दूसरे को मदद करने के लिए प्रेरित करता है। एकजुट रहना, मजबूत रिश्ते और मजबूत समाज के निर्माण में एकता विशेष महत्व रखता है। विभिन्नता से परिपूर्ण देश के लिए सामाजिक एकता महत्वपूर्ण अंग है। सामाजिक एकता और समरसता प्रत्येक व्यक्ति तथा समाज में जागृत हो सके इसलिए

एक दूसरे के लिए सहायता एवं समर्थन के लिए आगे आए। समिति के महामंत्री राजेंद्र पालीवाल ने कहा कि श्रीराम जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज में परस्पर प्रेम और बंधुत्व के भाव को प्रगाढ़ करते हुए भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने की प्रेरणा देते हैं सामूहिक विवाह समारोह के दौरान सामाजिक एवं आर्थिक विषमता के समस्त भेदभाव को समाप्त कर एक छत के नीचे समान भाव से विवाह बंधन में बांधना अपने आप में ही अनोखा काम है। समिति के उपाध्यक्ष नथमल पालीवाल ने बताया कि सभी बाराते जूना खेड़ापति हनुमानजी मंदिर से रवाना होकर आखलिया चौराह होते हुए विवाह स्थल केशव परिसर में पहुंची। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर सर्व समाज के पदाधिकारियों की ओर से बारातियों का स्वागत किया गया। वर-वधू को चांदपोल रामद्वारा के रामस्नेही संत हरिराम शास्त्री व आमेट रामद्वारा के संत मुमुक्षु राम महाराज ने आशीर्वाद दिया। कोषाध्यक्ष वरूण धनाडिया ने कहा कि एक स्थान पर अलग-अलग जातियों व वर्गों के वर वधुओं का एक साथ विवाह वह भी नाममात्र खर्च पर, वास्तव में सभी के सहयोग से एक अनुकरणीय प्रयास है। सेवा भारती समिति के मंत्री मोहनलाल करवा व सह मंत्री जितेंद्र गौड ने बताया कि विधिविधान हिंदू रीतिरिवाज के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ 23 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समारोह के मुख्य पंडित राजेश दवे ने सभी वर वधू को नशामुक्त, बेटी बचाओ व समाजसेवा की शपथ दिलवाई। वहीं सर्व जातीय सामूहिक विवाह समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व सेवा भारती समिति, श्रीराम जानकी सर्वजातीय जातीय सामूहिक विवाह समारोह समिति से जुड़े हजारों कार्यकर्ता ने व्यवस्थाओं को इस प्रकार से संभाला कि विवाह समारोह में बाराती बनकर आए मेहमानों को हर वो सुविधाएं उपलब्ध करवाई जो घरेलू विवाह में होती है। मेहमानों ने व्यवस्था को देखकर कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए तारीफ की। महिला कार्यकर्ताओं ने तन-मन-धन से सहयोग करके मातृशक्ति की प्रबल सामर्थ्य का उदाहरण प्रस्तुत किया। वही समारोह में सहयोग देने से सम्पन्न लोगों में समर्पण भाव जागा और उन्होंने सादगी का संदेश भी दिया। समारोह में मंत्री जोगाराम पटेल, भाजपा नेता जसवंत सिंह बिश्नोई, समिति के राधेश्याम वैष्णव, श्रीकांत पारीक, खीवराज जांगिड़, यशपाल गोधा, महिला कार्यकर्ता लीला मुंदड़ा, आशा राठी, उषा जैसलमेरिया, डॉ. शशीकला मनिहार, डॉ. संगीता सोलंकी, ममता मेघवाल, प्रभा प्रजापति, संजू व्यास सहित अन्य उपस्थित थे।

शिक्षा जागरूकता को ले बुद्धिजीवियों ने निकाली जागरूकता रैली

शिक्षा जागरूकता को ले बुद्धिजीवियों ने निकाली जागरूकता रैली

बिहार (हिंस)। नवादा में शिक्षा जागरूकता अभियान में जुटे बुद्धिजीवी विचार मंच के सदस्यों ने रविवार को अकबरपुर प्रखंड अंतर्गत फतेहपुर रविदास टोला में रैली निकाल कर सैकड़ों महादलित परिवार के बीच शैक्षणिक माहौल बनाने की कोशिश की। रंग बिरंगी तख्तियों पर उकेरे गए शिक्षा सन्देश को लहराते हुए बच्चों ने भी कुछ कर गुजरने का संकल्प लिया। टोले के शिक्षा सेवियों ने भी आयोजन का स्वागत करते हुए इसे समाज के सुनहरे भविष्य का आइना बताया। गायक चंदेश्वर प्रसाद और अविनाश के लोक धुन में

पिरोये गए संगीत से आज के भोर का जागरण जीवंत हो उठा। मंच के संरक्षक शिक्षाविद डॉ. सुनीति कुमार के निर्देशन और संयोजक अवधेश कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान को समाज के विभिन्न तबकों ने समर्थन दिया है। जिसके कारण मंच की पूरी टीम परिवर्तनकारी कारवां साबित हो रही है। मौके पर डॉ. सुनीति कुमार के अलावे अबधेश कुमार, रामबिलास प्रसाद, गायक चंदेश्वर यादव, मथुरा पासवान, दिलीप पासवान, अंधारबरी के अभिनाश कुमार, व्यास यादव आदि उपस्थित रहे। बच्चों को एकत्रित करने में टोले के कुमार रविदास की भूमिका सराहनीय रही।

दो मौलानाओं पर जानलेवा हमला, एक की मौत, एक घायल

सीवान (हिंस)। जिले के पचरुखी थाना क्षेत्र के मंद्रापाली गांव में दो मौलानाओं पर चाकू से हमला किया गया। इसमें एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक मौलाना गोपालगंज जिले के मीरगंज निवासी दिलशाद, जबकि घायल मौलाना दरौंदा का रहने वाला अब्दुल बारी है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि स्कोर्पियो के ड्राइवर से किराए को लेकर झगड़ा हुआ था। दरअसल देर रात दोनों मौलाना ट्रेन से उतरकर मंद्रापाली पाली गांव जाने के लिए किराए पर एक स्कॉर्पियो लिया। गाड़ी में सवार होकर दोनों मंद्रापाली गांव के पास पहुंचे। इस बीच किराया को लेकर ड्राइवर से उनका विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि स्कॉर्पियो में ही उनके बीच मारपीट होने लगी। इस दौरान ड्राइवर के साथ मौजूद उसके साथियों ने मौलाना पर चाकू से हमला शुरू कर दिया। इसमें इसके बाद अचानक आधा दर्जन लोगों ने मौलाना पर हमला कर दिया। घटने के बाद दोनों मौलाना को मृत समझ कर गाड़ी से फेंक के भाग निकले।

रामराजा सरकार के प्रांगण से जल सहेलियों की 300 किमी लंबी 18 दिन तक चलने वाली जल यात्रा शुरू

ओरछा/झांसी (हिंस)। रविवार को रामराजा सरकार के पावन स्थल बेतवा नदी के कंचना घाट से जल सहेलियों की जल यात्रा का भव्य शुभारंभ हुआ। इस यात्रा का उद्देश्य बुंदेलखंड में जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और समुदाय को जल संकट के प्रति जागरूक करना है। निवाड़ी जिले के जिलाधिकारी लोकेश जांगिड़ ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया और जल सहेलियों को सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं। जल संरक्षण आंदोलन के प्रख्यात कार्यकर्ता जल पुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह ने इस अवसर पर कहा, आज हमारी जल सहेलियां रामराजा सरकार के प्रांगण से निकल रही हैं और 300 किलोमीटर की जल यात्रा के दौरान गांव के बच्चों और बुजुर्गों को यह समझाते हुए आगे बढ़ेंगी कि यदि हम पानीदार रहेंगे, तो इज्जतदार होंगे और यदि पानीदार होंगे, तो मालदार रहेंगे। उन्होंने राजस्थान के जल संकट का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले वहां पानी की किल्लत के कारण लोग गांव से पलायन कर गए थे, लेकिन अब जल संरक्षण के प्रयासों से गांव के युवा वापस लौटने लगे हैं। जल संसाधन स्थायी समिति के सदस्य एवं जालौन-

गरौठा-भोगनीपुर के सांसद नारायण दास अहिरवार ने कहा कि बुंदेलखंड में जल संकट गंभीर रूप ले चुका है। पहले यहां की नदियां बारहमासी प्रवाहित होती थीं, झरने गिरते थे, लेकिन अब अधिकांश जल स्त्रोत सूख चुके हैं। खेतों की सिंचाई के लिए किसान वर्षा और नहरों पर निर्भर हैं, लेकिन अनियमित बारिश के कारण कृषि क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। इन चुनौतियों के बावजूद नीली साड़ी पहने जल सहेलियां बुंदेलखंड को पानीदार बनाने के मिशन में जुटी हुई हैं। परमार्थ समाज सेवी संस्थान के सचिव डॉ. संजय सिंह ने इस ऐतिहासिक क्षण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जल सहेलियों की यह 18 दिवसीय यात्रा ओरछा के कंचना घाट से शुरू होकर छतरपुर के जटाशंकर धाम में संपन्न होगी। इस यात्रा के दौरान जल सहेलियां गांव-गांव जाकर जल संरक्षण का संदेश देंगी और लोगों को जल प्रबंधन के महत्व को समझाएंगी। हिमालयन बेसिन रिवर की अध्यक्ष डॉ. इंदिरा खुराना ने जल सहेलियों के प्रयासों की सराहना करते हुए पहली जल सहेली सिरकुंवर के कार्य की विशेष रूप से प्रशंसा की और जल सहेलियों का हौसला बढ़ाया। नाबार्ड के जनरल मैनेजर कमर जावेद ने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से जल सहेलियां गांव-गांव में भूजल के महत्व को उजागर करेंगी और जल संरक्षण एवं प्रबंधन की जानकारी देंगी, जिससे यह यात्रा बुंदेलखंड के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। वाटर फॉर पीपल्स के निदेशक विश्वदीप घोष ने कहा कि जल सहेलियां न केवल पानी के महत्व को समझा रही हैं, बल्कि जल प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों को भी गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह यात्रा क्षेत्र में जल संरक्षण को एक मजबूत आंदोलन का रूप देगी। इस भव्य आयोजन का संचालन समाजसेवी डॉ. मुहम्मद नईम ने किया। इस अवसर पर नगर परिषद ओरछा के अध्यक्ष शिशुपाल, उपाध्यक्ष अनिल यादव, वरिष्ठ समाजसेवी रामचंद्र शुक्ला, पत्रकार अनिल शर्मा सहित हजारों जल सहेलियां उपस्थित रहीं।

थाने में घुसकर दरोगा-सिपाही की युवक ने की पिटाई, मचा हड़कंप

नवादा (हिंस)। जिले के वारिसलीगंज थाने में रविवार को एक युवक पहले जबरदस्ती थाने में घुसा और फिर थानेदार की कुर्सी पर जाकर बैठ गया। जब दूसरे सहयोगी पुलिसकर्मियों ने थानेदार की कुर्सी पर बैठने का कारण पूछा, तो युवक बोला कि मेरा जहां मन होगा वहां बैठेंगे, तुम नौकर हो नौकर की तरह रहो।पुलिसकर्मियों के साथ बदतमीजी करने लगा, और पुलिसकर्मियों पर डंडे बरसाए। जिसमें एक दारोगा और एक सिपाही घायल हो गए है। दारोगा जय प्रकाश कुमार के सिर और पैर में गंभीर चोट आई है। जबकि सिपाही अनुज कुमार को सिर, आंख और हाथ में चोट लगी है, खून भी बहा है। युवक के दबंगई के बाद पूरे थाने में हड़कंप मच गया, उसके बाद कई पुलिस कर्मियों ने मिलकर उसको पकड़ कर हाजत में बंद किया। हाजत में बंद होने के बाद भी युवक पुलिसकर्मियों को देख लेने की धमकी दे रहा था. आरोपी की पहचान थाना चौक निवासी पंकज कुमार के रूप में की गई है। पूरे मामले की जानकारी सीनियर अधिकारियों को दी गई और फिर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

कहीं महंगा तो कहीं सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली

वैश्विक बाजार में एक बार फिर से क्रूड ऑयल की कीमतों में रविवार को गिरावट दर्ज की गई। इसी के साथ देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल के भाव में बदलाव देखा गया। हालांकि देश के चार प्रमुख महानगरों- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में से तीन में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं।

ब्रेंट क्रूड का भाव 0.22 डॉलर गिरकर 75.67 डॉलर प्रति बैरल

वहीं वैश्विक बाजार में 2 फरवरी को डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 0.20 डॉलर गिरकर 72.53 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई जबकि ब्रेंट क्रूड का भाव 0.22 डॉलर गिरकर 75.67 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

इस दौरान आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता होकर 109.64 और डीजल 10 पैसे गिरकर 97.47 रुपये प्रति लीटर पर आ गया, जबकि अरुणाचल प्रदेश में तेल का भाव क्रमशः 28–26 पैसे टूटकर 90.67–80.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है। केरल में पेट्रोल की कीमत 18 पैसे टूटकर 107.30 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल का भाव 30 पैसे गिरकर 96.18 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

मणिपुर में पेट्रोल 6 पैसे सस्ता होकर 99.15 और डीजल 5 पैसे गिरकर 85.21 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

उधर मेघालय में पेट्रोल का भाव तीन पैसे गिरकर 96.20 और डीजल 18 पैसे सस्ता होकर 87.73 रुपये प्रति लीटर हो गया है, ओडिशा में पेट्रोल 18 पैसे सस्ता होकर 100.93 और डीजल 18 पैसे गिरकर 92.51 रुपये प्रति लीटर हो गया है, पंजाब में पेट्रोल 7 पैसे गिरकर 97.47 और डीजल 7 पैसे टूटकर 87.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

वहीं तमिलनाडु में तेल का भाव क्रमश: 43–42 पैसे सस्ता होकर 100.80– 92.39 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। इसके अलावा बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में पेट्रोल और डीजल के भाव में हल्की तेजी देखी गई है।

न्यूज ब्रीफ

प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री बुकिंग अप्रैल-दिसंबर में 38 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की अप्रैल–दिसंबर के दौरान 38 प्रतिशत घटकर 10,065.7 करोड़ रुपये रही है। कंपनी ने बताया कि नियामकीय मंजूरी में देरी के कारण वह कम आवासीय परियोजनाएं शुरू कर सकी। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से है। अपनी हालिया निवेशक प्रस्तुति के अनुसार कंपनी ने चालू वित्त वर्ष (2024–25) के पहले नौ महीनों के दौरान 13,128 रुपये प्रति वर्ग फुट की औसत कीमत पर 80.9 लाख वर्ग फुट क्षेत्र बेचा। बेची गई इकाइयों की संख्या 3,618 थी, जबकि बिक्री मूल्य 10,065.7 करोड़ रुपये और ग्राहकों से संग्रह 8,910.9 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल बिक्री बुकिंग में गिरावट के बावजूद, प्रेस्टीज एस्टेट्स को पूरे वित्त वर्ष में 24,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग मिलने का भरोसा है, क्योंकि घरों की मांग मजबूत बनी हुई है। पिछले वित्त वर्ष (2023–24) में प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स की बिक्री बुकिंग 63 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 21,040 करोड़ रुपये थी, जो उससे पिछले वित्त वर्ष 2022–23 में 12,931 करोड़ रुपये थी ।

गर्व की बात, भारत में बनी जिम्नी 5 डोर जापान में हुई लांच

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी जिम्नी 5 डोर इंडिया की दूसरी कार बन गई है, जो कि जापान में लांच हुई है। इसके पहले मारुति सुजुकी फ्रोंक्स को भी जापान में लांच किया गया था। खास बात ये है कि ये दोनों कारें मेड इन इंडिया है। यानी इनकी मैन्युफैक्चरिंग भारत में की गई है और बाद में इन्हें एक्पोर्ट करके जापान के बाजार में भेजा गया है। इसके पहले अभी तक जापान में इस सब–कॉम्पैक्ट ऑफ रोडर की 3 डोर वर्जन की ही ब्रिकी होती थी। अब जापान में भी अब 5 डोर मॉडल लांच होने के बाद वहां के बाजार में भी 5 डोर मॉडल सेल होगा। मेड इन इंडिया कारों का जापान जैसे बड़े और विकसित बाजार में लांच होना भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है। लांच से पहले ही जापान में जिम्नी 5 डोर की इमेज भी ऑनलाइन लीक हो गई थी जिससे कार के लिए बज क्रिएट हो गया था। जापान में 5 डोर जिम्नी का तस्वीर सामने आने के बाद से ही बाजार में इस कार के लिए काफी एक्साइटमेंट था। जापान में इस मॉडल को सिजलिंग रेज एंड ब्लैक ड्यूल टोन पेंट स्कीम के साथ देखा गया था।

एप्पल आईफोन की बिक्री में 23 प्रतिशत का बड़ा उछाल

नई दिल्ली। सालाना आधार पर भारत में 2024 में एप्पल आईफोन की बिक्री में 23 प्रतिशत का जबर्दस्त उछाल दिखाई दिया। इतना ही नहीं, आईपैड की बिक्री में भी 44 प्रतिशत की मजबूत बढ़त हुई है। साइबर मीडिया रिसर्च (सीएमआर) द्वारा जानकारी में बताया गया कि 2024 में भारतीय स्मार्टफोन मार्केट में एप्पल आईफोन की हिस्सेदारी बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई है। इसकी वजह स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ना और छोटे शहरों में प्रीमियमाइजेशन का बढ़ता चलन है। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के वीपी (इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप), प्रभु राम ने कहा, कैलेंडर वर्ष 2024 में एप्पल के आईफोन और आईपैड में दोहरे अंक में मजबूत वृद्धि देखने को मिली है। इसकी वजह स्मार्टफोन में प्रीमियमाइजेशन बढ़ना है। इसके साथ ही एप्पल को घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग बढ़ने और रिटेल सेगमेंट के विस्तार का फायदा मिल रहा है।भारत मध्यम वर्ग तेजी से प्रीमियम डिवाइस की तरफ आकर्षित हो रहा है। इसकी वजह केवल लाइफस्टाइल में बदलाव होना ही नहीं, बल्कि एडवांस टेक्नोलॉजी को जल्द अपनाने की आकांक्षा होना भी है। उन्होंने आगे कहा, आईफोन और आईपैड की अपील एप्पल के लिए बाजार वृद्धि का एक प्रमुख चालक बनी हुई है। वर्ष 2025 और उसके बाद भी वृद्धि के लिए पर्याप्त गुंजाइश है। भारत में एप्पल के लिए अभी भी शुरुआती दिन हैं। 2024 की अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में एप्पल की एंट्री भारत के शीर्ष पांच मोबाइल ब्रांड में हो गई थी।

बजट 2025 : मध्यम वर्ग के लिए नया समय का आगाज

एक लाख करोड़ रुपये आएंगे ग्राहकों के हाथ में

नई दिल्ली

भारतीय वित्त मंत्रालय ने हाल ही में प्रस्तुत किए गए बजट 2025 में 12 लाख रुपये तक की सैलरी पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। इसके साथ ही अधिकतम कर दर भी बढ़ा दी गई है, जिससे सेक्टर को राहत मिलेगी। आम लोगों के लिए यह बजट एक सशक्तिकरण और सुरक्षा का संकेत है। इनकम टैक्स स्लैब में हुई बदलाव से लोगों के पास उचित धनराशि बचेगी, जिससे अर्थव्यवस्था में गति और विकास को प्रोत्साहित किया जा सकेगा। मिडिल क्लास के लिए यह बजट एक नए समय की शुरुआत है। सबसे अधिक प्रभावित सेक्टरों को राहत मिलने का भी आशा है, जो ग्रामीण भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बजट से मिडिल क्लास को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और उनकी जीवनशैली में सुधार आएगा। इससे रिटेल सेक्टर को नई ऊर्जा का संचार होगा, जिससे उसमें वृद्धि होगी और बढ़ावा मिलेगा। अब यह देखना है कि बजट के ऐतिहासिक प्रावधान कैसे सामाजिक और आर्थिक स्थिति में बदलाव लाते हैं और देश के लोगों के जीवन में कैसे एक नया परिवर्तन लाते हैं।

हिमाचल प्रदेश : केंद्रीय बजट में आयकर से 1.50 लाख आयकरदाताओं को लाभ

शिमला। हिमाचल प्रदेश में 12 लाख रुपये तक की आय में आयकर की छूट से 1.50 लाख आयकरदाताओं को सीधे लाभ मिलेगा। यह नई आयकर सीमा को बढ़ाने से मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी। इसमें 80 हजार सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश से 4.20 लाख लोग आयकर भरते हैं, जिसमें से 1.50 लाख ही आयकर देते हैं। आयकर सीमा को बढ़ाने के बाद 40 हजार सरकारी कर्मचारी आयकर मुक्त होंगे। ये आयकर सीमा को बढ़ाने का फोटो पीछे के वर्षों से कर्मचारियों की मांग थी। इस संबंध में सर्व कर्मचारी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि मध्यम वर्ग को अवश्य राहत दी गई है। इस नई पहल से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों को फायदा होगा और उन्हें आयकर भरने में काफी राहत मिलेगी। इस बजट में हिमाचल की रेल परियोजनाओं को लेकर अलग से कोई बजट नहीं आया है, जिससे कुछ लोगों की उम्मीदें भी टूटी हैं। इसके बावजूद आयकर सीमा में की गई यह बड़ी राहत हर किसी के लिए ऐसी है जिसे कोई भी सोच सकता नहीं था। इस प्रकार, नए आयकर सीमा को बढ़ाने से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों को बहुत ही सकारात्मक परिणाम मिलेंगे और उन्हें आर्थिक रूप से देश के विकास में योगदान देने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

पिछले एक दशक में, ब्रांडेड दैनिक जरूरतों के सामान की बिक्री ग्रामीण भारत पर अधिक निर्भर रही है। भारत के गांवों में करीब 80 करोड़ लोग रहते हैं। इनका खरीदारी व्यवहार मुख्य रूप से कृषि उत्पादन से जुड़ा हुआ है। कंपनियों के अनुसार कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपये का आवंटन कई पहलों के साथ कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था बेहतर होगी। इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव के कारण लोगों के पास एक लाख करोड़ रुपये बचेंगे।

यानी कह सकते हैं कि इतनी रकम उनके हाथ में होगी। इस रकम को वे टैक्सपेयर्स मार्केट में खर्च करेंगे। माना जा रहा है कि इस रकम का बड़ा हिस्सा टैक्सपेयर्स रिटेल मार्केट में खर्च करेंगे। इससे इस सेक्टर को तगड़ा बूम मिलेगा। भारत का रिटेल सेक्टर अभी 104 लाख करोड़ रुपये का है। साल 2000 से लेकर अब तक इसमें 6 गुना की तेजी आ चुकी है। ग्लोबल ब्रांड इसमें तेजी से बढ़ रहे हैं।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार गिरावट के साथ बंद

नई दिल्ली

आम बजट में चिंता जताने और चीजों को बदलने के प्रयासों की घोषणा के बावजूद बीते सप्ताह बिनौला तेल को छोड़कर बाकी सभी तेल–तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने बताया कि इस गिरावट का मुख्य कारण सरसों की नयी फसल की आवक के बीच उसकी कीमतों पर दबाव है, जिसने सरसों तिलहन में गिरावट को बढ़ावा दिया। किसानों की सचेती और सोयाबीन के डी–आयल्ड केक (डीओसी) की मांग प्रभावित रहने से सोयाबीन तेल–तिलहन के दाम भी गिरावट के साथ बंद हो गए। इसके अलावा, बिनौला खल के दाम टूटने और भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा पहले न्यूनतम समर्थन मूल्य की खरीद लागत से कम दाम पर बिनौला सीड की बिक्री करने से बाकी सभी देशी खल और डीओसी पर दबाव बढ़ गया है। । बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 175 रुपये गिरावट के साथ 6,050–6,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 100 रुपये की गिरावट के साथ 13,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 10–10 रुपये के हानि के साथ क्रमश: 2,240–2,340 रुपये और 2,240–2,365 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 50–50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 4,225–4,275 रुपये और 3,925–4,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 50 रुपये, 50 रुपये और 100 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 13,200 रुपये, 13,000 रुपये और 9,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव भी 375 रुपये की गिरावट के साथ 5,300–5,625 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव भी क्रमश: 150 रुपये और 25 रुपये की गिरावट के साथ 13,950 रुपये और 2,115–2,415 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 100 रुपये टूटकर 12,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये टूटकर 13,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 100 रुपये टूटकर 12,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों की नयी फसल की आवक के बीच उसकी कीमतों पर दबाव से सरसों तिलहन में गिरावट को बढ़ावा दिया

टोरंटो टी फेस्टीवल

कनाडा में लोग टोरंटो टी फेस्टीवल में पहुंचे। इस इवेंट में 40 के करीब प्रदर्शनकर्ता भाग ले रहे हैं।

बुकिंग्स शुरू, 25 हजार का टोकन अमाउंट देकर बुक करें ई-विटारा

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने बीते दिनों ऑटो एक्सपो में अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार पेश की थी। तभी कंपनी ने मारुति सुजुकी ई-विटारा से पर्दा उठाया था। इसके बाद से ही ग्राहकों को इसके लांच का इंतजार है। लेकिन इस कार की अधिकारिक बुकिंग्स शुरू हो चुकी है। 25,000 रुपये का टोकन अमाउंट देकर आप अपनी कार यूनिट बुक कर सकते हैं। इसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि अब इसका लांच करीब है। हालांकि कंपनी ने अभी तक इस कार की कीमत की घोषणा नहीं की है।

ई विटारा के लांच के बाद हमें सेम प्लेटफॉर्म पर टोयोटा की इलेक्ट्रिक कार की लॉन्चिंग भी देखने को मिलेगी जिसका नाम अर्बन क्रूजर ईवी होगा। ग्रैंड विटारा के समान, ई विटारा के तीन वेरिएंट पेश किए जा सकते हैं डेल्टा, ज़ेटा और अल्फा है। बेस वेरिएंट में 49–किलोवॉट बैटरी पैक मिल सकता है, जबकि टॉप वेरिएंट 61–किलोवाट बैटरी पैक से लैस होगा। बड़े बैटरी पैक के साथ दावा की गई रेंज 500 किमी है।

ई विटारा के हाइ एंड बैटरी पैक में 120 लिथियम–आयन आधारित सेल शामिल हैं। इन्हें –30एडिग्री से 60एडिग्री के अत्यधिक तापमान में भी काम करने के लिए टेस्ट किया गया है। ईविटारा के बैटरी पैक एक अडवांस्ड थर्मल मैनेजमेंट सिस्टम से लैस हैं जिसमें लो–आयन कूलेंट शामिल है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ई विटारा रियल वर्ल्ड की स्थितियों के तनाव को संभाल सकती है, कंपनी ने इसे कई अलग अलग तरह की परिस्थितियों में टेस्ट किया है। मारुति ईविटारा में इको, नॉर्मल और स्पोर्ट ड्राइविंग मोड हैं। मारुति की इस इलेक्ट्रिक कार में 10.1 इंच टचस्क्रीन इंफोटेंटमेंट सिस्टम, 10.25 इंच मल्टि–इंफोर्मेशन डिस्प्ले, फ्रंट वेंटिलेटेड सीट्स, वायरलेस चार्जर के साथ हरमन का साउंड सिस्टम मिलता है।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी जारी, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में मामूली गिरावट आई है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोने की कीमत मे 140 से 150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 84,490 रुपये से लेकर 84,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 77,450 रुपये से लेकर 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

दूसरी ओर, चांदी की कीमत में गिरावट आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 84,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 84,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 84,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 84,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 84,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 84,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 84,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 84,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 84,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कुलबीर सिंह और वृंदा भंडारी ने जीता नौसेना हाफ मैराथन के पहले संस्करण का खिताब

नई दिल्ली

भारतीय नौसेना हाफ मैराथन के पहले संस्करण में कुलबीर सिंह और वृंदा भंडारी ने शीर्ष स्थान हासिल किया। कुलबीर सिंह ने पुरुष वर्ग, जबकि वृंदा भंडारी ने महिला वर्ग में जीत दर्ज की। राजधानी दिल्ली में रविवार को आयोजित इस भव्य मैराथन में 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में धावकों ने 21.1 किमी (हाफ मैराथन), 10 किमी और 5 किमी श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख एल. मंडाविया ने मुख्य दौड़ 21.1 किमी और 10 किमी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान रक्षा स्टाफ के प्रमुख, नौसेना स्टाफ के प्रमुख, एयर स्टाफ के प्रमुख और अन्य वरिष्ठ सैन्य एवं नागरिक अधिकारी मौजूद रहे। यह मैराथन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर इंडिया गेट और कर्तव्य पथ जैसे ऐतिहासिक स्थलों से गुजरी, जिससे प्रतिभागियों को एक अनूठा अनुभव मिला। आयोजन में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक मुख्य भागीदार, जबकि आईओसीएल और टाइटन वॉचेज सहयोगी भागीदार थे। इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक बनाना था। साथ ही इस मैराथन के माध्यम से युवाओं को भारतीय नौसेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने की भी पहल की गई। इस ऐतिहासिक मैराथन में विभिन्न श्रेणियों में कई एथलीटों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

हाफ मैराथन (21.1 किमी)-ओपन श्रेणी

पुरुष-
स्वर्ण: कुलबीर सिंह - 1:04:52
रजत: मंजीत सिंह - 1:05:22
कांस्य : शुभम् बालियान - 1:06:15

महिला -
स्वर्ण: वृंदा भंडारी - 1:37:08
रजत: निवेदिता कपूर - 1:40:58
कांस्य : निकिता राठी - 1:42:37

10 किमी दौड़-ओपन श्रेणी-
पुरुष: प्रकाश देशमुख - 0:30:22
महिला: कविता - 0:35:36

5 किमी दौड़-ओपन श्रेणी-
पुरुष: गौरव कसाना - 0:14:14
महिला: अंजलि - 0:17:37

मैराथन की सफलता और भविष्य की उम्मीदें प्रतिभागियों ने असाधारण धैर्य, दृढ़ संकल्प और खेल भावना का परिचय दिया। इस सफल आयोजन ने भविष्य में और अधिक प्रतिभागियों को जोड़ने की प्रेरणा दी है।

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालिका बाक्सिंग प्रतियोगिता बारह फरवरी से

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालिका बाक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन 12 फरवरी से होगा। 15 फरवरी तक चलने वाले इस प्रतियोगिता को स्पोर्ट्स स्टेडियम सहारनपुर में कराने का फैसला किया गया है। इसके लिए जिला और मंडल स्तर पर तैयारियां शुरु हो गयी हैं। इस संबंध में खेल निदेशक आर.पी सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश की टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। जिला और मंडल स्तर पर ट्रायल्स के बाद चयनित खिलाड़ियों को इस प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा जाएगा। लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि लखनऊ में जिला स्तर पर महिला खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया छह फरवरी को अपराह्न तीन बजे के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में किया जाएगा। वहीं मंडल स्तरीय खेल चयन प्रक्रिया सात फरवरी को पूरी की जाएगी। विभिन्न भार वर्ग में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की आयु एक जनवरी 2011 से 31 दिसम्बर 2012 के मध्य होना चाहिए। अपने साथ खिलाड़ी को जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड की छाया प्रति लाना अनिवार्य है।

हिना पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम की मैनेजर बनने वाली पहली महिला बनीं

लाहौर। महिला पुलिस अधिकारी हिना मुनव्वर को पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम का ऑपरेशंस मैनेजर बनाया गया है। हिना पहली महिला हैं जो पुरुष टीम की मैनेजर बनी हैं। उन्हें इसलिए नियुक्ति किस गया है जिससे कि टीम का संचालन सही तरीके से हो सके। हिना ने पहले भी कई अहम सुरक्षा भूमिकाएं निभाई हैं। हिना एक पुलिस अधिकारी हैं। पाकिस्तान क्रिकेट के इतिहास में ये पहला मौका है, जब किसी महिला को पुरुष टीम के मैनेजर की जिम्मेदारी सौंपी गई हो। हिना संवेदनशील और जोखिम भरे स्वात क्षेत्र में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी में रही हैं। हिना 8 फरवरी से पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज से अपनी जिम्मेदार संभालेंगी। हिना पहले भी कई कानून प्रवर्तन और सुरक्षा भूमिकाओं में अपनी जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक अधिकारी ने कहा, उनकी नियुक्ति का उद्देश्य टीम के भीतर और खिलाड़ियों और बोर्ड के बीच संचालन को सुव्यवस्थित करना है, क्योंकि उन्होंने रणनीतिक और नेतृत्वकारी भूमिकाओं में काम किया है, जिससे विभिन्न संचालन को सुव्यवस्थित करने में मदद मिली है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी, हिना को प्रतिनियुक्ति पर बोर्ड में लाए थे, क्योंकि वह पाकिस्तान की पुलिस सेवा का हिस्सा बनी हुई हैं।

मंधाना ने रोहित से उनकी भूलने वाली बिमारी पर पूछा सवाल, हंसने लगे साथी खिलाड़ी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अवार्ड समारोह में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना भी शामिल हुईं थीं। इस कार्यक्रम के दौरान मंधाना ने रोहित से एक सवाल पूछा। जिसका रोहित ने जो जवाब दिया उससे साथी खिलाड़ी और प्रशंसक भी हंसने लगे। मंधाना ने रोहित पूछा कि ऐसी कौनसी हॉबी है जिसको लेकर टीम के साथी खिलाड़ी आपका आम तौर पर मजाक उड़ाते हैं। इसका जवाब देते हुए रोहित ने कहा कि हॉबी जैसा तो कुछ नहीं है पर भूलने की आदत को लेकर वह हंसी का पात्र बनते रहे हैं। रोहित ने कहा कि सब कहते हैं कि मैं पासपोर्ट या मोबाइल फोन तक भूल जाता हूं पर वास्तव में ऐसा नहीं है। काफी पहले ऐसा एक बार हुआ था पर उसके बाद से नहीं हुआ। रोहित ने जैसे ही ये बात कही तभी टीम के सभी युवा खिलाड़ी हंसने लगे। कार्यक्रम में मंधाना ने रोहित से पूछा कि वो एक सबसे बड़ी चीज क्या है जो वो भूल गए हों। इस सवाल पर रोहित हंसने लगे और उन्होंने कहा कि मैं इसका जवाब नहीं दे सकता। रोहित ने कहा कि ये शो लाइव जा रहा होगा और मेरी बीवी इसे देख रही होगी। ये बात मैं अपने तक ही रखूंगा। रोहित के भारतीय टीमके बचे हुए खिलाड़ी भी जोर से हंसने लग पड़े।

मोटापे के खिलाफ लड़ाई में साइकिलिंग फायदेमंद : डॉ. मनसुख मांडविया

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भारत में मोटापे से लड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए रविवार को यहां साइकिल चालकों के एक विविध समूह का नेतृत्व किया। मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में इस सप्ताह के फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में डॉक्टरों और पोषण विशेषज्ञों के समूह ने भाग लिया, जिन्होंने इस संदेश को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर पेरिस पैरालंपिक पदक विजेता रुबीना फ्रांसिस के साथ-साथ भारती कॉलेज दिल्ली और सोनिया विहार वाटर स्पोर्ट्स क्लब के कई युवा भी मौजूद थे।

डॉ. मांडविया ने कहा कि मोटापा युवाओं के लिए एक बड़ी समस्या और चुनौती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे से ग्रस्त है। इसलिए, आजकल व्यायाम और खेल खेलना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेलों में इसका जिक्र किया था। हमें अपने खान-पान के प्रति बहुत सचेत रहना होगा। मोटापे के खिलाफ इस लड़ाई में साइकिलिंग लगातार फायदेमंद भूमिका निभाएगा। फिट इंडिया के जरिए हम इस लड़ाई को जीत सकते हैं।

पेरिस पैरालंपिक 2024 में कांस्य पदक विजेता रुबीना फ्रांसिस ने बताया कि कैसे फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल इवेंट मोटापे के खिलाफ इस लड़ाई की दिशा में एक बेहतरीन कदम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से देश को अच्छे स्वास्थ्य की ओर बढ़ने और मोटापे के खिलाफ लड़ने में मदद मिलती है। सुबह-सुबह साइकिल चलाने या योग करने से न केवल जीवन में बहुत सारी सकारात्मकता आएगी बल्कि मोटापा मुक्त भारत के मिशन में भी मदद मिलेगी। एक एथलीट के तौर पर सुबह की दिनचर्या ने मेरी बहुत मदद की है और मुझे लगता है कि इसे अपनाने से आम लोगों को भी मदद मिलेगी।

मधुमेह एवं मोटापा विशेषज्ञ डॉ. त्रिभुवन गुलाटी, जो राइडर्स के समूह का हिस्सा थे, उन्होंने मोटापे से होने वाले कई स्वास्थ्य जोखिमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मोटापा अपने साथ 130 अलग-अलग बीमारियां लेकर आता है जैसे किडनी रोग, लिवर रोग, फैटी लिवर, प्री-डायबिटीज, डायबिटीज, महिलाओं में पीसीओडी और भी बहुत कुछ। यह एक बड़ा स्वास्थ्य मुद्दा है।

वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के सदस्य डॉ. पीयूष जैन ने कहा कि मोटापे से निपटने में साइकिल चलाना एक सकारात्मक कदम है। डॉ. जैन ने कहा कि आजकल आउटडोर गेम्स न होने की वजह से बच्चों में बहुत अधिक निष्क्रियता आ गई है। साइकिल अभियान के माध्यम से जनता को इस बारे में जागरूक करना बहुत महत्वपूर्ण है।

साई नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर) के खेल पोषण विशेषज्ञ भी सवारों के समूह का हिस्सा थे। साई एनसीएसएसआर की स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट अंशु मलिक ने कहा कि एक न्यूट्रिशनिस्ट के तौर पर मैं कह सकती हूं कि साइकिल चलाने से आप हमेशा जवान दिखेंगे।

युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और एमवाई भारत के सहयोग से 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया जाता है। ये आयोजन देश भर में साई क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों और खेलो इंडिया केंद्रों में एक साथ आयोजित किए जाते हैं।

उत्तर प्रदेश हैंडबाल टीम में काशी की दो बेटियों का चयन

वाराणसी

राष्ट्रीय खेल में भागीदारी पर बेटियों में उत्साह, हैंडबाल संघ ने दी बधाई

धर्म नगरी काशी की युवा खिलाड़ी नैना यादव और सुमन यादव का चयन उत्तर प्रदेश हैंडबाल टीम में हुआ है। दोनों बेटियां यूपी टीम से राष्ट्रीय खेल में भाग लेंगी। वाराणसी हैंडबाल संघ ने दोनों बेटियों के चयन पर खुशी जताई है। हैंडबॉल संघ के सचिव शम्स तबरेज ने दोनों खिलाड़ियों के चयन पर उन्हें बधाई देते हुए शानदार प्रदर्शन की शुभकामना दी है। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के उपाध्यक्ष डॉ ए.के. सिंह ने बताया कि वाराणसी के लिए गौरव की बात है की एक ही मैदान की दो बेटियां राष्ट्रीय खेल में वाराणसी का नाम ऊंचा करेंगी। उन्होंने बताया कि 36वां राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में खेला जा रहा है। इसमें महिला हैंडबॉल की स्पर्धा उधमसिंह नगर में सात से 11 फरवरी तक खेली जाएगी। इस खेल महाकुंभ में उत्तर प्रदेश की महिला हैंडबॉल टीम भी हिस्सा ले रही है। उत्तर प्रदेश की टीम में वाराणसी की नैना यादव और सुमन यादव का चयन हुआ है। नैना लेफ्ट बैक और सुमन राइट बैक पोजिशन से खेलती है। ये पहला मौका है जब वाराणसी की दो बेटियां एक साथ राष्ट्रीय खेल मे उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रही है। दोनों खिलाड़ी ग्रामीण क्षेत्र की रहने वाली हैं। बताते चले दोनों बेटियां परमानंदपुर के बाबू आरएन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में डॉ आशा सिंह की देखरेख में प्रशिक्षण ले रही हैं। दोनों युवा खिलाड़ियों का कहना है कि उत्तर प्रदेश की अटैक लाइन बहुत मजबूत है। हम बेहतर परिणाम देंगे। खास बात यह है कि चमांव वाराणसी निवासी नैना यादव के पिता राजगीर मिस्त्री है। नैना को पढ़ाने के साथ बड़ा खिलाड़ी बनाने के लिए रातदिन पसीना बहाते हैं। नैना कक्षा दस में पढ़ने के साथ अपने पिता के सपने को साकार करने के लिए खेल मैदान में पसीना बहा रही है। वहीं, सुमन यादव के पिता भी राजगीर मिस्त्री है। वाजिदपुर निवासी सुमन भी अपने और पिता के सपनों को मूर्त रूप देने के लिए निरंतर अभ्यास में जुटी हुई है। सुमन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में अध्ययनरत है।

जे उसो ने जॉन सीना को हराकर रॉयल रंबल 2025 खिताब जीता

वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) डब्ल्यूडब्ल्यूई इंडियानापोलिस में खेला गया। इसमें जे उसो ने जॉन सीना को हराकर रॉयल रंबल 2025 जीत लिया है। मेन इवेंट में ये पहला मौका है जब उसो को ये खिताब मिला है। है। रॉयल रंबल में मशूहर यूट्यूबर आई शो स्पीड भी अचानक ही शामिल हो गये। रॉयल रंबल की शुरुआत रे मिस्टीरियो और पेंटा के बीच मुकाबले से हुई। दोनों ने एक-दूसरे पर अटैक करना शुरू किया। इसके बाद चैड गेबल, कैरमेलो हेस उतरे पर पर प्रशंसक तब हैरान हो गये। जब इस मुकाबले में यूट्यूबर स्पीड घुस ये। स्पीड कुछ ही मिनट रिंग में रह पाए और उन्हें ब्रॉन ब्रेकर ने एलिमिनेट कर बाहर कर दिया। इस रॉयल रंबल मैच में 8वें नंबर पर अकीरा की एंट्री होने वाली थी पर कार्मेलो ने उनके ऊपर पहले ही अटैक कर दिया। ऐसे में अकीरा प्रवेश नहीं कर पाये और उनकी जगह ट्रिपल एच ने स्पीड को रिंग में भेज दिया। स्पीड ने आते ही ओटिस को एलिमिनेट कर दिया। लेकिन इसके बाद ब्रेकर ने स्पीड पर एक तगड़ा स्पीयर मूव लगा दिया। इसके बाद उन्होंने स्पीड को रिंग के बाहर फेंक दिया और नीचे खड़े ओटिस ने स्पीड को पकड़कर कमेंट्री टेबल पर पटक दिया। स्पीड की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

यह हमारा विश्वास था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया : रूपिंदर पाल सिंह

पुरुष हॉकी इंडिया लीग का खिताब श्राची रारह बंगाल टाइगर्स ने किया अपने नाम

नई दिल्ली

पुरुष हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में शनिवार को रोमांचक फाइनल में जुगराज सिंह की शानदार हैट्रिक की मदद से श्राची रारह बंगाल टाइगर्स ने हैदराबाद तूफांस को 4-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। खिताब जीतने पर बंगाल टाइगर्स के कप्तान रूपिंदर पाल सिंह ने कहा कि यह हमारा विश्वास था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया।

टूर्नामेंट में अपनी टीम के उतार-चढ़ाव भरे सफर के बारे में बात करते हुए श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के कप्तान रूपिंदर पाल सिंह ने कहा कि हमारे लिए यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, खासकर सात साल के अंतराल के बाद हॉकी इंडिया लीग की वापसी के साथ। टूर्नामेंट को इतने शानदार तरीके से आयोजित करने के लिए हम हॉकी इंडिया के बहुत आभारी हैं। एक टीम के रूप में हमारे सफर में उतार-चढ़ाव आए, लेकिन अंत में सब कुछ सही रहा। यह हमारा विश्वास ही था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया और मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है, जिसने पूरे टूर्नामेंट में कड़ी मेहनत की और धैर्य बनाए रखा। फाइनल के लिए अपनी रणनीति के बारे में आगे बात करते हुए रूपिंदर ने कहा कि हम अपनी पेनल्टी कॉर्नर रणनीतियों को और अधिक प्रभावी ढंग से निष्पादित करने के लिए दृढ़ थे। फाइनल में हमारे लिए उन मौकों का अधिकतम लाभ उठाना महत्वपूर्ण था और हमने ऐसा किया। इसके अतिरिक्त, हमने अपनी रक्षात्मक संरचना को मजबूत करने और अधिकतम कब्जे को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया। इन सभी प्रयासों ने हमें मैच में वापसी करने और अंततः खिताब सुरक्षित करने में मदद की। पुरुष हॉकी इंडिया लीग 2024-25 का फाइनल मैच राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में शनिवार को हुआ था। फाइनल मुकाबले में बंगाल टाइगर्स के लिए जुगराज सिंह (25वें मिनट, 32वें मिनट, 35वें मिनट) और सैम लेन (54वें मिनट) ने गोल किया, जबकि हैदराबाद तूफांस के लिए गोंजालो पेइलट (9वें मिनट, 39वें मिनट) और अमनदीप लकड़ा (26वें मिनट) ने गोल दागे।

भारत ने लगातार दूसरी बार जीता महिला अंडर 19 टी20 विश्व कप का खिताब, फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराया

कुआलालंपुर

भारतीय महिला अंडर 19 टीम ने आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 का खिताब जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका महिला अंडर 19 टीम को 9 विकेट से हराया। भारत ने लगातार दूसरी बार अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2023 में हुई थी। पहले ही संस्करण में भारतीय महिला अंडर 19 टीम ने शेफाली वर्मा की कप्तानी में जीत हासिल की थी। अब दो साल बाद दूसरे संस्करण में निकी प्रसाद की कप्तानी में भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की है।

कुआलालंपुर के बयूमास ओवल में रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला अंडर 19 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 82 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे भारतीय महिला अंडर 19 टीम को जीत के लिए 83 रनों का लक्ष्य मिला।

जवाब में भारतीय टीम ने 11.2 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 84 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम किया और ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। भारतीय टीम की जीत में गोंगाडी तृषा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने फाइनल में ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए पहले गेंदबाजी में तीन विकेट लिए, फिर बल्ले से नाबाद 44 रन भी बनाए।

83 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय महिला अंडर 19 टीम ने अच्छी शुरुआत की और चार ओवर में टीम का स्कोर 36 रन पहुंचा दिया। पांचवें ओवर में जी कमलिनी के रूप में भारतीय टीम को पहला झटका लगा।

कमलिनी 8 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद भारतीय टीम का कोई और विकेट नहीं गिरा और लक्ष्य को 11.2 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया। गोंगाडी तृषा 33 गेंदों पर 8 चौकों की मदद से 44 रन और सानिका चाके 22 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहीं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एकमात्र विकेट कायला रेनेके ने लिया।

इससे पहले फाइनल में पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका महिला अंडर 19 टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसे दूसरे ही ओवर में पहला झटका लगा।

सलामी बल्लेबाज सिमोन लॉरेन्स बिना खाता खोले बोल्ड हो गईं। फिर 20 रन के स्कोर पर दूसरी सलामी बल्लेबाज जेम्मा बोथा भी पवेलियन लौट गईं। बोथा ने तीन चौके की मदद से 14 गेंदों पर 16 रन बनाए। 20 रन के स्कोर पर ही दक्षिण अफ्रीका को तीसरा झटका लगा। दियारा रामलाकन 3 रन बनाकर बोल्ड हो गईं। दक्षिण अफ्रीका महिला अंडर 19 टीम के विकेट्स गिरने का सिलसिला जारी रहा और पूरी टीम 20 ओवर में 82 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान कायला रेनेके 7 रन, काराबो मेसो 10 रन, मीइके वान वूर्स्ट 23 रन, फाय कॉलिंग ने 15 रन बनाए। सेशनी नायडू, एश्ले वैन विक और मोनालिसा लेगोडी खाता भी नहीं खोल सकीं।

भारत की ओर से गोंगाडी त्रिशा ने 3 विकेट, वैष्णवी शर्मा, परुणिका सिसोदिया और आयुषी शुक्ला ने क्रमश: 2-2 विकेट अपने नाम किए। शबनम शकील के खाते में एक विकेट आया।

तन और मन सेहतमंद रखे जॉगिंग...

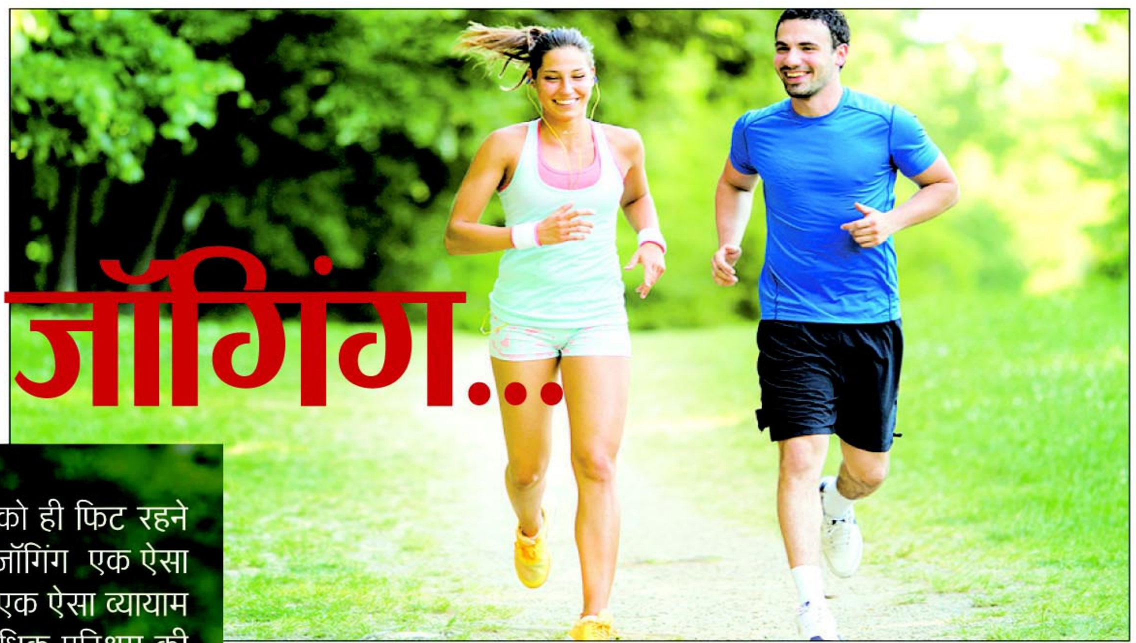

ज्यादातर लोग कम खाने-पीने तथा समय से उठने-जागने को ही फिट रहने की गारंटी समझते हैं। यह सोच ठीक नहीं है। धीमी गति से जॉगिंग एक ऐसा व्यायाम है जो सभी व्यक्ति कर सकते हैं। यह भी फिट रहने के लिए एक ऐसा व्यायाम है, जिसमें न तो किसी चीज की आवश्यकता पड़ती है और न ही अधिक परिश्रम की आवश्यकता है। आप किसी भी उम्र के हों, पैदल चलना आपकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन सकता है। जॉगिंग से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही प्राप्त होता है,अपितु आपका सौंदर्य भी बरकरार रहता है। जॉगिंग आपको मानसिक शांति प्राप्त होगी और साथ ही नकारात्मक सोच भी आपसे दूर रहती है। आइए जानते हैं जॉगिंग के कुछ अन्य स्वास्थ्य लाभ।

तनाव दूर करें

जॉगिंग हमारे शरीर में एंडोरफिन के स्तर को बढ़ाती है। जिससे हमारी मनोदशा पर सकारात्मक असर पड़ता है। इसके साथ ही जॉगिंग के दौरान व्यक्ति को अपने साथ अकेले कुछ वक्त बिताने का मौका मिलता है, जिससे वे अपनी समस्याओं के बारे में गंभीरता से विचार कर सकते हैं। उन्हें अपनी समस्याओं से लड़ने के लिए अतिरिक्त ताकत मिलती है। अगर कोई व्यक्ति क्रोधित अथवा कुपित है, तो उसे इन नकारात्मक भावों को दूर करने के लिए तेज दौड़ लगानी चाहिए।

जॉगिंग करने के कई फायदे हैं, जिसका सबसे ज्यादा फायदा है अच्छी सेहत पाना। ज्यादातर लोग अपने को फिट बनाए रखने के लिए खाना छोड़ देते हैं या अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं, जैसे कि उन्होंने कितना खा लिया? इस प्रकार का अपराध बोध उनके लिए हानिकारक भी सिद्ध हो सकता है। आप जितना ज्यादा व्यायाम करेंगे, उतना ज्यादा खा सकते हैं और अपराध बोध से मुक्त हो सकते हैं। यह भी फिट रहने के लिए एक ऐसा व्यायाम है, वॉकिंग से का एक फायदा यह भी है कि आप अपने की प्रसन्नचित्त महसूस करेंगे।

दिल बनाएं मजबूत

जॉगिंग से हमारे फेफड़ों की कार्यक्षमता में इजाफा होता है, जिससे हमारे शरीर के सभी अवयवों को सही प्रकार से काम करने के लिए जरूरी ऑक्सीजन मिलती है। इसके साथ ही जॉगिंग दिल की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर उसकी कार्यक्षमता में इजाफा करती है। इतना ही नहीं यह हमारे रक्तचाप को भी नियंत्रित करती है। साथ ही जॉगिंग हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाकर हमें डायबिटीज, ऑसटियोपोरोसिस और कैंसर जैसी बीमारियों से भी बचाती है।

अन्य स्वास्थ्य लाभ

जॉगिंग से आपका मेटाबॉलिज्म तेजी से काम करता है इससे कैलोरीज जल्दी बर्न होती हैं। इससे आपको वजन घटाने में मदद मिलती है और आप एक बेहतर शरीर पा सकते हैं। इतना ही नहीं, पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी आसानी से कम नहीं होती, लेकिन ऐसा माना जाता है कि जॉगिंग कूल्हों और पेट की चर्बी कम करने का असरदार तरीका है।

हाजमा बढ़ाएं

हालांकि कई बार ऐसा देखा गया है कि ओवरवेट लोगों को भूख कम लगती है। जैसाकि हम जानते हैं कि जॉगिंग से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, जिससे आपके शरीर को अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है। ऊर्जा की इस कमी को पूरा करने के लिए आपको अधिक भोजन की जरूरत होती है। और तो और जॉगिंग से आपके शरीर में भोजन से प्राप्?त ऊर्जा अच?छी तरह फैल जाती है।

हड्डियां बनाये मजबूत

यह बात सच है कि जॉगिंग आपकी हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाने का काम करती है। खासतौर पर हमारी कमर, कूल्हों और टांगों की मांसपेशियों और हड्डियों को इससे बहुत लाभ मिलता है। इतना ही नहीं जॉगिंग से शरीर को काफी थकान हो जाती है, लेकिन हमें अच्छी नींद आती है।

उम्र के असर से लड़ें

जॉगिंग से हम उम्र के असर को भी कम कर सकते हैं। यह तो हम जानते ही है कि जॉगिंग हमारी हड्डियों और मांसपेशियों को ताकत मिलती है। इसका सीधा असर हमारी उम्र पर पड़ता है। मजबूत मांसपेशियां और हड्डियां हमें लंबे समय तक जवां बनाये रखने के लिए जरूरी होती हैं।

कॉन्फिडेंस बढ़ाएं

जॉगिंग हमारे शरीर की ताकत में इजाफा करती है, जिससे आपमें बड़ी चुनौतियों का सामना करने का विश?वास आता है। इसके साथ ही यह आपका वजन कम करने और मांसपेशियों को मजबूत भी बनाती है, जिससे आत्मविश्वास में इजाफा होता है।

मन को प्रशिक्षित करें

क्योंकि जॉगिंग करते समय व्यक्ति के सामने कई मुश्किलें आती हैं, वह अपने लिए कोई लक्ष्य निर्धारित करता है और उसे हासिल करने का प्रयास करता है। इस प्रकार के सोच विचार से व्यक्ति को अपने जीवन में भी आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए भी मानसिक रूप से तैयारी करने का मौका मिलता है।

सुधरता है व्यवहार

जॉगिंग का यह लाभ शायद आपको न पता हो कि इससे आपके एटिट्यूड में सुधार होता है। जॉगिंग के दौरान हमारे मस्तिष्क में एंडोरफिन्स नामक हॉर्मोंस का स्राव होता है, जो खुशी का अहसास कराने में मदद करता है। इसलिए जॉगिंग को अवसाद से निपटने का एक कारगर तरीका माना जाता है और कई डॉक्टर इसे अपनाने की सलाह भी देते हैं।

सुबह की दौड़ है फायदेमंद

सुबह की दौड़, शाम की दौड़ के मकाबले अधिक फायदेमंद होती है। इससे व्यक्ति को अधिक शारीरिक और मानसिक लाभ मिलते हैं। सुबह-सवेरे लोगों के शरीर में अधिक ऊर्जा होती है इसका इस्तेमाल वे दौड़ में कर सकते हैं। यह भी साबित हो चुका है कि जो लोग सुबह जॉगिंग करते हैं, वे दिन भर में मिलने वाली चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

उपकरण की आवश्यकता नहीं

जॉगिंग करने के लिए किसी खास उपकरण की आवश्यकता नहीं होती, केवल एक जोड़ी आरामदेह जूते की और एक जोड़ी आरामदायक पोशाक ही चाहिए । सुबह की सैर तेज गति से होनी चाहिए और रात को खाना खाने के बाद धीरे-धीरे टहलना चाहिए । प्रतिदिन सुबह नंगे पांव घास पर चलने की आदत डालें।

नंगे पैर जमीन पर चलने से बॉडी पोश्चर ठीक रहता है और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन भी बढ़ता। इससे आपकी कमर भी हमेशा सीधी रहती है। इस तरह चलने का संबद्ध एक्यूप्रेशर के सिद्धान्त पर आधारित होता है इससे पैरों के तलवो के विभिन्न पॉइंट्स पर सीधे दबाव पड़ता हैं।

डॉक्टर से परामर्श लें

अत्यन्त गर्म और ठंडे तापमान में जॉगिंग करने से बचे। पैरों में ज्यादा पसीना आए तो पाउडर लगाकर जूते पहनें। इससे पैरों में से बदबू नहीं आएगी। अगर आपको कोई हृदय सम्बंधित रोग या अन्य बीमारी है तो कृपया कोई भी फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श अवश्य कर लें। जोर जबरदस्ती और ज्यादा शारीरिक ताकत से काम न लें।

अन्य स्वास्थ्य लाभ

जॉगिंग से आपका मेटाबॉलिज्म तेजी से काम करता है, इससे कैलोरीज जल्दी बर्न होती हैं। इससे आपको वजन घटाने में मदद मिलती है और आप एक बेहतर शरीर पा सकते हैं। इतना ही नहीं, पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी आसानी से कम नहीं होती, लेकिन ऐसा माना जाता है कि जॉगिंग कूल्हों और पेट की चर्बी कम करने का असरदार तरीका है।

जॉगिंग करें फिट रहें

- जॉगिंग करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है।
- जोगिंग से शरीर में रक्त संचार बढ़ता हैं तथा सभी अंगो तक ऑक्सीजन युक्त रक्त भरपूर मात्रा में पंहुचता हैं।
- हर रोज़ जॉगिंग करने से बॉडी में नई ऊर्जा का संचार होता हैं।
- नियमित रूप से जॉगिंग करने से शरीर की मांस पेशियाँ मजबूत होती हैं तथा आपके शरीर के जोड़ भी मजबूत होते हैं।
- नियमित जॉगिंग से कैलोरी बर्न होती हैं और मोटापा तथा अन्य कई रोगों से मुक्ति मिलती हैं।
- जॉगिंग करने से अच्छी नींद आती हैं । फेफड़ो को मजबूती मिलती है और साँस सम्बंधित बीमारियों से बचाव होता है।
- जॉगिंग और सैर करने से शरीर में इन्सुलिन बनने की प्रक्रिया में सुधार होता है जिससे ब्लड शुगर काबू में रहता है इसलिए डायबिटिज के मरीजों को रेगुलर वॉक करने की सलाह दी जाती है।

आपकी बॉडी के लिए बड़े काम का है चारकोल, जानिए ढेरों फायदे

आपको जानकर बड़ी हैरानी होगी लेकिन आपके शरीर के लिए चारकोल बहुत फायदेमंद हो सकता है। खासतौर पर एक्टिवेटेड चारकोल हमारे शरीर के टॉक्सिन्स और केमिकल्स को रिप्लेस करता है लेकिन अगर आप इसे एन्वायरमेंटली फ्रेंडली ट्रीटमेंट के लिए यूज करना चाहते हैं तो हमेशा कोकोनट शेल्स या अन्य प्राकृतिक स्त्रोत से चुनें। एक्टिवेटेड चारकोल को एक्टिवेटेड कार्बन भी कहते हैं। यह कार्बन का प्रोसेस्ड फॉर्म होता है जिसके लो-वॉल्युम पोर्स सरफेस एरिया को बढ़ाकर अधिशोषण करने के लायक बनाया जाता है।

एक्टिवेटेड चारकोल का इस्तेमाल क्लींज़र, फेस मास्क, स्क्रब्स और साबुन के तौर पर किया जाता है।

यह नुस्खा पहली बार प्राचीन मिस्त्रियों द्वारा इस्तेमाल किया गया था। यह आमतौर पर हमारे शरीर में पॉइजन को रोकने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह हमारे घर में आम नहीं है लेकिन अस्पतालों में मकड़ी के काटने, फूड पॉइजनिंग या जहरीले रसायनों को निगलने वाले रोगियों के लिए इस्तेमाल होता है। अगर एक्टिवेटेड चारकोट का यूज करते हैं तो इन बीमारियों से बच सकते हैं।

यह हमारे शरीर को नियमित रूप से डिटॉक्सिफिकेशन करता है। अगर आप इससे नियमित रूप से लेंगे तो यह लिवर, किडवी और थायरॉइड ग्लैंड को सुधार सकता है।

जानिए एक्टिवेटेड चारकोल के फायदे

चारकोल दांतो की सफाई और उसे चमकदार बनाता है। अपने रोज के टूथपेस्ट में ऊपर से एक्टिवेटेड चारकोल के पाउडर की कुछ मात्रा को छिड़क लें और इससे दांतो में ब्रश करें। इसके बाद आप इससे ब्रश करें तो अच्छी तरह कुल्ला कर मुंह से इसके कणों को निकल जाने दें। इसके प्रयोग से आपको केवल दो हफ्तों के भीतर ही सकारात्मक परिणाम नजर आने लगेंगे।

एक्टिवेटेड चारकोल आपकी स्कीन को प्रदूषण से बचा सकता है। एक्टिवेटेड चारकोल त्वचा से टॉक्सिन को अधिशोषित कर चेहरे को पूरी तरह से क्लीन कर देता है। ये टॉक्सिन के लिए चुंबक की की तरह काम करता है। इसलिए रात को सोने से पहले चारकोल बेस्ड फेशवॉश से चेहरा धोकर सोएं। इससे आपकी स्कीन हमेशा ग्लो करती रहेगा।

ब्लैकहेड्स से परेशान हैं और सारे उपाय करके थक गई हैं तो एक्टिवेटेड चारकोल बेस्ड ब्लैकहेड रिमूवल स्ट्रिप्स लें। ये चेहरे पर से गहरे ब्लैकहेड को भी खत्म कर देगा।

फेस को अच्छी तरह से साफ करने के लिए हर हफ्ते एक्टिवेटेड चारकोल का फेस मास्क की तौर पर इस्तेमाल करें। जिन लोगों को ऑयली स्किन की समस्या है वे इसका हफ्ते में दो बार इस्तेमाल करें। वहीं ड्राय स्किन वाले लोग इसका फेस पैक के तौर पर इस्तेमाल करने के बाद अच्छा मॉइश्चराइज़र लगाना न भूलें।

डीटॉक्सीफाइंग और बेहतरीन क्लीनज़िंग गुण के कारण एक्टिवेटेड चारकोल चेहरे के मुंहासों को कुछ ही दिनों में दूर कर देता है। ये स्किन को साफ करने के साथ ही पोर्स को भी साफ कर स्किन की चमक को पूरे दिन बनाए रखता है। इसके साथ ही चेहरे से विषाक्त कण और अतिरिक्त तेल भी निकाल देता है। वहीं आप इसका इस्तेमाल सीधे पिंपल्स पर कर सकती हैं। पिंपल्स ठीक हो जाएंगे।

कई बार चेहरे के पोर्स बहुत अधिक खुल जाते हैं जो दिखने में अच्छे नहीं लगते। ऐसे में आपके चेहरे के पोर्स को फिर से ब्लॉक करने में एक्टिवेटेड चारकोल आपकी मदद करेगा। यह खुले पोर्स की अंदर से सफाई कर उन्हें कम कर देता है।

पानी में उपस्थित गंदगी को दूर कर बेहतर सफाई के लिए चारकोल बेहद उपयोगी है। इसलिए कई देशों में पानी की सफाई के लिए चारकोल का प्रयोग किया जाता है। सफाई के इस गुण के कारण ही इसका प्रयोग अब कई सौंदर्य उत्पादों में भी किया जाता है।

खून में कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण और उसे कम करने का गुण भी एक्टिवेटेड चारकोल में मौजूद है। पेट दर्द या आंत संबंधी समस्याओं के लिए कई स्थानों पर कोयले का प्रयोग किया जाता है। आजकल एक्टिवेटेड चारकोल का इस्तेमाल डायरिया, कब्जियत और मरोड़ संबंधी समस्याओं में किया जाता है, लेकिन शोध इसके प्रभावों के बारे में मिली जुली प्रतिक्रिया देते हैं। इसलिए इसे आजमाने से पहले डॉक्टर से जरूर संपर्क करें।

वजन घटाने के लिए पी रहे नींबू पानी

तो आपके लिए ये जानना है जरूरी

आपने कई लोगों को यह कहते हुए सुना होगा कि अगर वजन घटाना है तो एक गिलास गर्म पानी में नींबू मिलाकर पीना चाहिए क्योंकि ये फैट काटने का काम करता है. पानी में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर पीने से डाइजेशन सही रहता है, शरीर को ऊर्जा मिलती है साथ ही फोकस करने में भी मदद मिलती है. नींबू पानी न सिर्फ शरीर को हाडड्रेशन देता है बल्कि आपको तृप्त भी करता है. हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि नॉर्मल वॉटर भी नींबू पानी की ही तरह फायदेमंद है. तो साफ है कि नींबू पानी और उसके फायदों के बारे में कई तरह की बातें कही जाती हैं. ऐसे में हम आपको नींबू पानी और उसकी मदद से वजन घटाने बारे में कुछ जरूरी बातें बता रहे हैं।

सुबह उठकर खाली पेट पानी पीने के ये हैं 6 अनूठे फायदे

कम कैलोरी

एक गिलास नींबू पानी में ज्यादा से ज्यादा 6 कैलोरी होती हैं. ऐसे में यह वजन घटाने के लिए कारगर ड्रिंक है. यहां तक कि अगर आप फलों के जूस और सोडा ड्रिंक की जगह नींबू पानी पीने लगें तोआप एक दिन में लगभग 200 कैलोरी तक कम कर सकते हैं. जाहिर है कि नींबू पानी कैलोरी फ्री तो नहीं है, लेकिन इसे पीने से आप कैलोरी इनटेक जरूर कम कर सकते हैं.

बढ़ाए मेटाबॉलिज्म

रिसर्च के मुताबिक अगर बॉडी अच्छी तरह हाइड्रेट हो तो इससे सूत्रकर्णिका या माइटोकॉण्ड्रिया बेहतर ढंग से काम करती है. माइटोकॉण्ड्रिया को शक्ति गृह कहा जाता है क्योंकि शरीर में ऊर्जा पैदा करने का काम यही कोशिका करती है. नींबू पानी पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है. यही वजह है कि ज्यादातर लोग रोजाना ढेर सारा पानी पीने की सलाह देते हैं.

बेहतर हाइड्रेशन

शरीर से गैर-जरूरी चीजों को बाहर निकालने के लिए उसे हाइड्रेट रखना चाहिए. इससे शरीर का तापमान भी सही रहता है. यहां तक कि अगर बॉडी सही से हाइड्रेट है तो इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है. चूंकि नींबू पानी में पानी की मात्रा ज्यादा होती है इसलिए यह बॉडी को काफी हद तक हाइड्रेट रखता है.

बेवक्त की भूख से छुटकारा

अगर आप एक्सट्रा स्नैकिंग या हर वक्त कुछ न कुछ चबाने से बचना चाहते हैं तो नींबू पानी या नॉर्मल पानी पीना बेहतर विकल्प है. साल 2008 में की गई एक रिसर्च के मुताबिक ब्रेकफास्ट से पहले आधा लीटर पानी पीने से आप लगभग 13 फीसदी कम कैलोरी लेते हैं.

वजन घटाने में मददगार

ऊपर दिए गए कारणों की वजह से नींबू पानी वजन घटाने में बेहद कारगर है. कई शोधों में यह साबित हो चुका है कि जो लोग ज्यादा पानी या नींबू पानी पीते हैं दूसरों की तुलना में उनका वजन तेजी से घटता है. कई अन्य शोधों में तो यहां तक कहा गया है कि सिर्फ डाइट या एक्सरसाइज करने वाले लोगों की तुलना में उन लोगों का वजन जल्दी घटता है जो ज्यादा पानी पीते हैं. जाहिर है कि नींबू पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. लेकिन नॉर्मल वॉटर भी नींबू पानी जितना ही फायदेमंद है. खासकर वजन घटाने के मामले में दोनों ही अचूक और असरदार हैं.

बच्चों के सामने भूलकर भी न करें ये 6 चीजें

बच्चों के मन बहुत कोमल होते हैं और उन्हें हर वक्त प्यार और अटेंशन की दरकार होती है. वहीं, माता-पिता के ऊपर ढेर सारी जिम्मेदाररिया होती हैं. ऑफिस के काम का प्रेशर और हर समय कुछ न कुछ निपटाने की जल्दबाजी में वो ये भूल जाते हैं कि वे अपने बच्चों को कुछ जरूरी चीजों से दूर रख रहे हैं. माता-पिता ये भूल जाते हैं कि बच्चों के सामने वो जो भी करते हैं उसका असर उनके कोमल मन पर भी पड़ता है. हालांकि ये असर पॉजिटिव और नेगेटिव दोनों तरह का हो सकता है. लेकिन चाहे हालात कैसे भी हों कुछ बातें ऐसी हैं जिन्हें बच्चों के सामने कभी नहीं कहना चाहिए।

1. **झूठ :** आप बच्चों के लिए कुछ नहीं कर पा रहे हैं तो इसके कई वजहें हो सकती हैं. ऐसा ज्यादातर तब होता है जब करने के लिए बहुत कुछ हो और किसी एक चीज पर फोकस कर पानी मुश्किल हो जाए. लेकिन चाहे कुछ भी हो बच्चों से झूठ बोलना बिलकुल भी ठीक नहीं है. बच्चे इतने छोटे, मासूम और अनुभवहीन होते हैं कि वे समझ नहीं पाते हैं कि झूठ क्यों बोला गया. आपका एक झूठ उन पर क्या असर डाल सकता है कि इसका अंदाजा आपको तब होगा जब आपका बच्चा भी झूठ बोलना शुरू कर देगा.

2. **पार्टनर से झगड़ना :** पार्टनर पर भड़कना, गुस्सा करना, ज़ोर से बोलना और हिंसक होने से बच्चे बुरी तरह डर जाते हैं और असुरक्षित महसूस करने लगते हैं. बड़े होने पर वो भी ऐसी ही आदतें अपना लेते हैं. एनआईसीईएफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक बच्चों के सामने मारपीट करने और भड़कने से बड़े होकर वो भी अपने पार्टनर साथ के साथ ठीक वैसा ही बर्ताव करत हैं जैसे उनके माता-पिता एक-दूसरे के साथ करते थे.

3. **मजाक उड़ाना :** बच्चों के साथ मजाक करना या उनकी मासूमियत का मजाक उड़ाना भले ही आपको मजेदार लगे, लेकिन इन सबका आपके बच्चे पर नेगेटिव असर पड़ सकता है. इससे बच्चे न सिर्फ खराब यादें बनाते हैं बल्कि काफी हद तक उनका आत्म विश्वास भी चकनाचूर हो जाता है.

4. **बच्चे से मार-पीट करना और भड़कना :** आपके बच्चे को आपकी देखभाल और प्यार की जरूरत होती है न कि गुस्से की. हो सकता है कि वो आपको गुस्सा दिलाएं लेकिन आपको अपना टेंपर नहीं खोना चाहिए और न ही उन पर हाथ उठाना या चिल्लाना चाहिए. आप जितना उन पर भड़केंगे आपके सामने आने में उन्हें उतनी ही झिझक होगी. वो आपसे डरने लगेंगे और कोई बात भी शेयर नहीं करेंगे.

5. **जंक फूड खाना :** क्या बच्चे को दो मिनट में बनने वालू नूडल्स खिलाने के बाद आपको अफसोस होता है? बच्चों को जंक या फास्ट फूड खिलाना आसान भले ही हो, लेकिन हम सभी यह जानते हैं कि इस तरह के खाने में पोषक तत्व नहीं होते हैं जो आपके बच्चे के विकास के लिए बेहद जरूरी हैं. और तो और इस तरह के खाने की लत भी आसानी से लग जाती हैं और फिर बच्चों को इनकी क्रेविंग भी होने लगती है. ऐसे में बच्चों के सामने जंक फूड खाने से बचें. इससे उन्हें ये लगने लगता है कि जंक फूड खाना उनके लिए भी सही है.

6. **बच्चों के सामने फोन पर चिपके रहना :** बच्चे के साथ खेलने के बजाए हमेशा फोन पर चिपके रहना बुरी आदत तो है ही साथ ही यह बच्चे के साथ नाइंसाफी भी है. बच्चों से छुटकारा पाने के लिए उन्हें फोन या टैबलेट पकड़ा देना तो और भी खराब है. इन हरकतों से बच्चे अपने अंदर ये बात बैठा लेते हैं कि फोन या टैबलेट की स्क्रीन पर आंखे गड़ाए रहना पूरी तरह से ठीक है.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**